



वर्ष-31 अंक : 25 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.10 2083 रविवार, 26 अप्रैल-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH



प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा : भागवत

✱ राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे, वैसे ही यह लक्ष्य भी अब तय है

नागपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे। लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात् खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता।

भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभार और धीरेंद्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे।

भारत के भविष्य पर संदेह न करें :
आरएसएस चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन



जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने

दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है।

पश्चिमी चश्मे को उतार फेंकने की जरूरत :

डॉक्टर भागवत ने कहा कि भारत को यदि वास्तव में समझना है, तो इसे इसकी अपनी सभ्यता और सनातन मूल्यों की दृष्टि से देखना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा।

यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने दैनिक जीवन में उतारना शुरू करना होगा। आरएसएस प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबार जुड़ने का आग्रह किया।

पीएम मोदी से मिले नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी

शिक्षाविद गोबर्धन दास भी बने सदस्य

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष डॉ. अशोक लाहिड़ी ने पद संभालने के ठीक एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह उनकी नई जिम्मेदारी में पहली आधिकारिक बैठक थी, जिससे साफ संकेत मिलता है कि सरकार नीति आयोग के कामकाज को लेकर सक्रिय रूप से आगे बढ़ रही है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद अशोक लाहिड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह



मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है और नई टीम को जिम्मेदारी दी है। वहीं, पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- मैंने अशोक कुमार लाहिड़ी से हमारे देश में नीति निर्माण को

पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अर्थशास्त्र और लोक नीति में उनका व्यापक अनुभव भारत के सुधार और विकसित भारत बनने की दिशा में उनके प्रयासों को बहुत मजबूती प्रदान करेगा। मुझे विश्वास है कि उनके प्रयासों से हमारे देश में नीति निर्माण को सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। अशोक लाहिड़ी ने इस पद पर सुमन बेरी की जगह ली है, जो मई 2022 से इस पद पर थे। अशोक लाहिड़ी एक जाने-माने अर्थशास्त्री हैं और फिलहाल पश्चिम बंगाल के बालुरघाट से भाजपा विधायक भी हैं।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मालदीव जाने वाले भारतीय नागरिकों के लिए सरल चेतावनी जारी की

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मालदीव की यात्रा करने या वहां जाने वाले सभी भारतीय नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण परामर्श जारी किया है। इसमें मालदीव के हाल ही में और सरल हो गए नशीले पदार्थों के कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।

मालदीव सरकार ने मार्च 2026 से अपने ड्रग्स अधिनियम में बड़े बदलाव किए हैं। इन संशोधनों के बाद नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों की सजाएं बहुत कड़ी कर दी गई हैं। छोटी मात्रा में भी प्रतिबंधित नशीले पदार्थ रखने पर सख्त सजा का प्रावधान है। बड़े पैमाने पर तस्करी करने वालों को आजीवन कारावास या कुछ गंभीर मामलों में मृत्युदंड तक हो सकता है। यह मृत्युदंड मालदीव के सक्षम अदालत द्वारा पुष्टि के बाद ही लागू होगा। हाल के दिनों में मालदीव में कई विदेशी नागरिकों, जिनमें भारतीय भी शामिल हैं, को नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किया गया है। माले में भारतीय उद्योगों ने भी भारतीय नागरिकों को स्थानीय कानूनों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी है। एनसीबी ने सभी भारतीय यात्रियों से दृढ़ता से अनुरोध किया है कि वे बेहद सावधानी बरतें।

इंडो-पैसिफिक में बढ़ी ताकत : भारत-अमेरिका साझेदारी गहरी

> सीडीएस अनिल चौहान की बैठक से रक्षा सहयोग को नया आयाम

वॉशिंगटन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। इसी कड़ी में भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारी जनरल केविन बी. रनाइडर के साथ अहम बैठक की।

इस बैठक में दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही, क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया गया। बैठक के



दौरान भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने यह स्पष्ट किया कि वे क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। इटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय

शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया। इससे पहले, जनरल अनिल चौहान ने ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने सर रिचर्ड नाइटन के साथ मुलाकात कर वैश्विक चुनौतियों, साइबर खतरों और व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान भारत और ब्रिटेन ने भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

‘राष्ट्र सेवक नहीं, राष्ट्रीय सरेंडर संघ’

राहुल गांधी ने आरएसएस को घेरा, राम माधव के बयान पर मचा खिसासी बवाल

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की राजनीति में एक बार फिर तीखी बयानबाजी देखने को मिली है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता राम माधव की अमेरिका में की गई टिप्पणियों पर तीखा प्रहार करते हुए उन्हें संगठन की असली फिरत करार दिया है। राहुल गांधी ने आरएसएस को ‘राष्ट्रिय सरेंडर संघ’ और ‘फर्जी’ राष्ट्रवाद वाला संगठन बताया है।

राहुल गांधी ने एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट साझा करते हुए लिखा राष्ट्रिय सरेंडर संघ। नागपुर में फर्जी राष्ट्रवाद। अमेरिका में शुद्ध चाटकारिता। राम माधव ने केवल संघ की असली फिरत को उजागर किया है। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी राम माधव द्वारा वाशिंगटन डीसी में हडसन इंस्टीट्यूट के ‘न्यू इंडिया कॉन्फ्रेंस’ में अमेरिकी राजदूत कर्ट कैम्पबेल और एलजाबेथ थरेलकेल्ड के साथ एक पैनल चर्चा में भाग लेने के एक दिन बाद आई है। इस चर्चा का विषय ‘अमेरिका-भारत संबंधों के लिए नए रास्ते’ था।



राम माधव के बयान पर विवाद : यह विवाद तब शुरू हुआ जब राम माधव ने अमेरिका में एक पैनल चर्चा के दौरान भारत की ऊर्जा और व्यापार नीति पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति व्यक्त की। हमने अपने विपक्ष के भारी अल्पसंख्यकों को आलोचना के बाद, राम माधव ने बाद में एक स्पष्टीकरण जारी किया था। उन्होंने कहा कि पैनल चर्चा के दौरान उन्होंने जो कहा वह तथ्यात्मक रूप से गलत था। उन्होंने कहा कि जो मैंने कहा वह गलत था। भारत ने कभी भी रूस से तेल आयात बंद करने पर सहमति नहीं दी थी।

आलोचना के बावजूद रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति व्यक्त की। भारत ने अधिक कुछ कहे बिना 50 प्रतिशत टैरिफ स्वीकार कर लिया। तो अमेरिका के साथ काम करने के लिए भारत वास्तव में क्या पर्याप्त नहीं कर रहा है? इसी बयान को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई।

बाद में राम माधव ने दी सफाई :
अपनी टिप्पणियों पर आलोचना के बाद, राम माधव ने बाद में एक स्पष्टीकरण जारी किया था। उन्होंने कहा कि पैनल चर्चा के दौरान उन्होंने जो कहा वह तथ्यात्मक रूप से गलत था। उन्होंने कहा कि जो मैंने कहा वह गलत था। भारत ने कभी भी रूस से तेल आयात बंद करने पर सहमति नहीं दी थी।

चूहे खा गए रिश्तत के पैसे सुप्रीम कोर्ट भी हैरान

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। अदालतों में अक्सर अजीबोगरीब दलीलें सामने आती हैं, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के सामने एक ऐसा मामला आया जिसने जजों को भी हैरान कर दिया। यह मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जहां मुख्य साक्ष्य यानी रिश्तत की रकम के बारे में दावा किया गया कि उसे चूहों ने कुतर डाला। खबर है कि अब शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराई गई एक महिला को जमानत दे दी है।

क्या है पूरा मामला :
यह पूरा मामला बिहार से जुड़ा है। दरभंगा, चार्लड डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑफिसर के पद पर कार्यरत अरुणा कुमारी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिश्तत लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। उन पर 10 लाख रुपये रिश्तत मांगने का आरोप लगा था। घटना उच्च न्यायालय ने महिला को सजा सुनाई थी। हालांकि, जब मामला देश की सबसे बड़ी अदालत में पहुंचा, तो वहां साक्ष्यों के खरबखार को लेकर राज्य पुलिस की एक बड़ी लापरवाही सामने आई।

चीन सीमा विवाद पर सामने आई वास्तविकता

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत-चीन सीमा को लेकर लंबे समय से राजनीतिक बहस चलती रही है। एक तरफ विपक्ष सरकार पर यह आरोप लगाता रहा है कि चीन ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की और सच्चाई को छिपाया गया, वहीं दूसरी ओर अब देश के पूर्व थल सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे के लिए भारत और दुर्दु इच्छाशक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

नरवणे ने साफ शब्दों में कहा कि भारतीय सेना की सख्त और रणनीतिक कार्रवाई के कारण ही चीन की सेना (पीएलए) को पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। यह कोई सामान्य स्थिति नहीं थी, बल्कि यह भारत की सैन्य क्षमता और दुर्दु इच्छाशक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सीमा पर जो भी सैन्य कार्रवाई हुई, वह केवल सेना का काम नहीं था, बल्कि पूरे देश के सामूहिक प्रयास का परिणाम थी। सरकार, सेना और अन्य एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल ने ही भारत को मजबूत स्थिति में खड़ा किया। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा है



कि चीन ने भारतीय जमीन पर कब्जा किया और सरकार ने पारदर्शिता नहीं दिखाई। लेकिन पूर्व सेना प्रमुख का यह बयान इन आरोपों को सीधे तौर पर चुनौती देता है।

नरवणे ने इस पर सवाल उठाते वालों को भी दो टूक जवाब देते हुए कहा कि अगर दुश्मन को पीछे हटने पर मजबूर करना जीत नहीं है, तो फिर जीत की परिभाषा क्या होगी? सेना के सर्वोच्च नेतृत्व की ओर से ये कहना कि भारत ने चीन को पीछे हटने पर मजबूर किया, यह साफ संकेत है कि जमीनी हालात विपक्ष के दावों से अलग हैं। यह बयान न केवल सेना की कार्रवाई को सही

बीजेपी में शामिल होते ही राघव चड्ढा की रिससकी जमीन

12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स ने अनफॉलो किया नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। रायसभा सांसद राघव चड्ढा जिस तरह से आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं, लगता है कि उनकी लोकप्रियता को जबर्दस्त झटका लगा है। कम से कम सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम प्लेटफॉर्म को देखने से तो यही लग रहा है। जिसमें लगभग 24 घंटे में ही उनके फॉलोअर्स की संख्या 12 लाख से भी कम हो गई है।

राघव चड्ढा ने जबसे आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल होने का फैसला किया है, इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की संख्या तुरंत शुरू होनी चाहिए और पहली बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाए।

एच-1बी वीजा में कटौती की तैयारी

अमेरिका में ट्रंप के करीबी लाए नया विधेयक, पारित हुआ तो भारत को नुकसान?

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में बीते एक वर्षों में विदेशियों के प्रवास का मुद्दा गर्माया हुआ है। आलम यह है कि ट्रंप प्रशासन न सिर्फ अवैध प्रवासियों, बल्कि अवैध तौर पर अमेरिका में काम के लिए जाने वाले लोगों को भी निशाना बनाने में जुटा है।

इसी कड़ी में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सांसद अमेरिकी संसद में एक विधेयक लेकर आए हैं, जिसमें उच्च-कोशल वाले दूसरे देशों के नागरिकों को अमेरिका में रहने की सुविधा देने वाले एच-1बी वीजा पर रोक लगाना प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी का यह कदम मुख्यतः भारत और चीन के नागरिकों को अमेरिका में नौकरी करने से रोकने के मकसद से लाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह कदम अगर सफल हुआ तो इसका नुकसान दूरगामी हो सकता है।

भारतीय पेशेवरों के लिए क्या बदलने की तैयारी में अमेरिका?		
मौजूदा स्थिति	मूढ़ा	प्रस्तावित बदलाव
65,000	सालाना वीजा मुहैया कराने की सीमा	25,000
अभी तय नहीं	न्यूनतम वेतन	\$2,00,000 (करीब 1.87 करोड़ रुपये)
एच-4 वीजा के तहत	आब्रिती को लाने की सुविधा	पूरी तरह पाबंदी

क्या है अमेरिकी संसद में लाया गया नया विधेयक

एंड एच-1बी वीजा अब्यूज एक्ट, 2026 अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में एरिजोना के रिपब्लिकन सांसद एली क्रेन और उनके अन्य रिपब्लिकन सहयोगियों (जैसे ब्रायन बाबिन, पॉल गोसर आदि) की तरफ से पेश किया गया एक सख्त आख्यान (इमिग्रेशन) विधेयक है। इस विधेयक का मकसद अमेरिकी नागरिकों की नौकरियों को सुरक्षित करना बताया गया है। इन सांसदों का दावा है कि कार्पोरेट कंपनियां एच-1बी वीजा कार्यक्रम

का गलत इस्तेमाल करके अमेरिकी नागरिकों की जगह सस्ते विदेशी श्रमिकों को काम पर रख रही हैं। एच-1बी वीजा पर तीन साल की रोक: एच-एच-1बी वीजा जारी करने पर तत्काल प्रभाव से तीन साल का प्रतिबंध लगाना। इस रोक के दौरान मौजूदा एच-1बी वीजा धारकों से धीरे-धीरे अमेरिका छोड़ने अपेक्षा की जाएगी। वीजा सीमा में भारी कटौती: एच-1बी वीजा की सालाना कैप (सीमा) को वर्तमान 65,000 से घटाकर सिर्फ 25,000 कर दिया जाएगा। >14

भारत ने ढूंढ लिया पश्चिम एशिया का तोड़

54 देशों के साथ करने जा रहा शिखर बैठक, तेल-रेयर अर्थ के मिलेंगे भंडार!

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत मई के अंत में अफ्रीका के साथ चौथी शिखर बैठक आयोजित कर रहा है। इस विशाल राजनयिक आयोजन में महाद्वीप के सभी 54 देशों के राष्ट्र प्रमुखों के भाग लेने की उम्मीद है। पिछली शिखर बैठक 11 साल पहले 2015 में हुई थी और इस के बाद यह सिलसिला रुक-सा गया। तेल और गैस, यूरेनियम, रेयर अर्थ, इलेक्ट्रिक मिनेरल्स जैसे संसाधनों से लैस अफ्रीका के साथ राजनयिक व आर्थिक रिश्ते गहरा करना भारत के लिए अहमियत रखता है।

संघर्ष का सबक : एक दशक बाद भारत को अफ्रीका की याद आना खास है। इसे पश्चिम एशिया के ताजा हालात से जोड़ना गलत नहीं होगा। इस संघर्ष ने एक बड़ा

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण के लिए चुनाव आयोग ने 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए

कोलकाता, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव की शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षकों (ऑब्जर्वर्स) की नियुक्ति की घोषणा की है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, ये सभी 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक दूसरे राज्यों से बुलाए गए हैं। इनकी नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य दूसरे चरण में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ या तनाव की स्थिति न बने। सूत्र ने बताया कि पहले चरण के मतदान (23 अप्रैल) में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद कुछ छिंटपुट हिंसा और तनाव की घटनाएं सामने आई थीं।



सीईओ को धमकी देने वाले भाई से मंत्री नागरसिंह ने झाड़ा पल्ला
इंदौर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा सरकार के मंत्रियों से ज्यादा उनके परिजनों के आए दिन विवाद सामने आ रहे हैं। ताजा मामला आलीराजपुर जिले से सामने आया है। कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान के भाई ने एक महिला अधिकारी से अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। आरोपी इंदर सिंह चौहान की पत्नी जनपद पंचायत की अध्यक्ष हैं। प्रतिनिधि के रूप में इंदरसिंह चौहान जनपद कार्यालय पहुंचे, जहां कन्या विवाह योजना के पंजीयन आवेदन निरस्त होने की बात पर वह नाराज हो गए। प्रतिनिधि इंदरसिंह चौहान पर आरोप है कि वह महिला अधिकारी को मारने दौड़े और धमकाते हुए कहा कि "तेरे दांत तोड़ दूंगा, तुझे यहीं ज़िंदा ज़मीन में अंदर गाड़ दूंगा।" हालांकि, कार्यालय में मौजूद कर्मचारी सावन भिड़े ने इंदरसिंह को रोका और बीच-बचाव कर मामला शांत करने की कोशिश की। इधर, महिला अधिकारी की सूचना पर पुलिस ने मंत्री के भाई पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

सबरीमाला में सुरक्षा पर सवाल

हेलिकॉप्टर की लो फ्लाइट से हड़कंप, हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला; जांच रिपोर्ट पेश

पथानामथिट्टा (केरल), 25 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के प्रसिद्ध सबरीमाला मंदिर के पास भारतीय टटरक्षक (आईसीजी) के हेलिकॉप्टर की कम ऊंचाई में उड़ान के मामले में जांच तेज हो गई है। इस घटना को लेकर एडीजीपी एस। श्रीजीत ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट विशेष आयुक्त को सौंप दी है। यह घटना गुरुवार दोपहर की है, जब टटरक्षक का हेलिकॉप्टर मंदिर परिसर के पास बेहद कम ऊंचाई पर उड़ता हुआ देखा गया।

इसके बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। भारतीय टटरक्षक की ओर से कहा गया है कि इलाकों में घने बादल और खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया और पंचा पहाड़ियों के ऊपर से गुजर गया। विशेष आयुक्त,

159 करोड़ गबन केस में ईडी का छापा, पंचकूला, पंजाब और चंडीगढ़ में 12 ठिकानों से करोड़ों की प्रॉपर्टी एग्जीमेंट्स जबा

पंचकूला, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कोर्टक-महिंद्रा बैंक से जुड़े पंचकूला नगर निगम के खातों में हुए 159 करोड़ रुपये के गबन मामले में ईडी ने 12 ठिकानों पर छापा मारा। पंचकूला, चंडीगढ़ समेत जीरकपुर, डेराबस्सी और राजपुरा में ईडी ने दबिश दी। इस दौरान टीम ने मनी लॉनिंग्ग से जुड़े अहम दस्तावेज, करोड़ों की प्रॉपर्टी एग्जीमेंट्स जव्त किए। बता दें कि निगम ने अलग-अलग समय में करीब 160 करोड़ रुपये एफडी के रूप में बैंक में जमा कराए थे। आरोप है कि बैंक अधिकारियों ने मिलीभगत से जाली खाते खोलकर यह रकम उनमें ट्रांसफर कर दी। आरटीओएस के जरिए किए गए ट्रॉजेक्शन में भी फर्जी हस्ताक्षर और स्टैप इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई है। इस मामले में कई अधिकारी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उनकी संपत्ति का रिकॉर्ड जुटाया गया है। हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम मामले की जांच में जुटी और अब ईडी ने भी कार्रवाई की है

शीश महल 2.0: 'आप का मतलब है आलीशान आदमी पार्टी' मंत्री प्रवेश वर्मा का अरविंद केजरीवाल पर बड़ा हमला



नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा नेता और दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर हमला किया। उन्होंने केजरीवाल के नए घर को 'शीश महल 2' बताया और 'रहमान डकैत' से तुलना की। मंत्री वर्मा ने कहा कि दिल्ली लूटने के बाद अब पंजाब में भी दूसरा 'शीश महल' तैयार हो गया है। प्रवेश वर्मा ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में कोविड लहर के दौरान 'शीश महल' बनवाया था।

उस समय दिल्ली के लोग दवाएं मांग रहे थे, लेकिन 'शीश महल' का काम नहीं रुका। उन्होंने आरोप लगाया कि

शिवाजी महाराज पुस्तक विवाद



मुंबई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्रपति शिवाजी महाराज पर लिखी एक पुस्तक को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। फडणवीस ने कहा कि शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा प्रकाशक के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि शिवाजी महाराज का सम्मान सभी के लिए समान है और इसमें किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए।यह विवाद तब शुरू हुआ

शिवसेना विधायक की भाषा पर सीएम फडणवीस सख्त, कहा- अपमानजनक शब्द स्वीकार्य नहीं

जब विधायक संजय गायकवाड़ ने कोल्हापुर के प्रकाशक गशांत अंबी को फोन पर कथित तौर पर धमकी दी। मामला उस पुस्तक से जुड़ा है, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज को केवल उनके पहले नाम से संबोधित किया गया था। यह मराठी पुस्तक 'शिवाजी कोण होता' (शिवाजी कौन थे?) मूल रूप से दिवंगत सीपीआई नेता गोविंद पानसरे द्वारा लिखी गई थी और 1988 में प्रकाशित हुई थी।

नासिक में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 40 साल पुरानी पुस्तक को लेकर विवाद खड़ा करना सही नहीं है और ऐसी भाषा का इस्तेमाल भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे इस मामले में उचित निर्देश देंगे। प्रकाशक ने आरोप लगाया है कि

दूसरे चरण के चुनाव से पहले ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोलकाता, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के चुनाव से पहले कोलकाता में राशन घोटाले से जुड़े मनी लॉनिंग्ग मामले की जांच के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने शहर के कई इलाकों में एक साथ छापेमारी शुरू की है। कोलकाता, बर्धमान और उत्तर 24 परगना के हजरा में सफ्तायरो और निर्यातकों से जुड़े 9 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जो राशन वितरण प्रणाली में कथित अनियमितताओं और उससे जुड़े वित्तीय लेनदेन की गहराई से पड़ताल कर रही है। ईडी की टीमों ने अलग-अलग ठिकानों पर दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड खंगालने की प्रक्रिया शुरू की है। इस मामले में ईडी ने पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर अपनी जांच शुरू की। यह एफआईआर 23 अक्टूबर 2020 को

‘डराने-धमकाने की राजनीति पर न्याय की जीत होगी’ जयराम रमेश बोले- पवन खेड़ा के साथ खड़ी है कांग्रेस

उत्पीड़न की राजनीति पर विजय प्राप्त करेगा।' इसमें कहा गया है कि बीएनएस की गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जो उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अधोषिप्त संपत्ति होने के आरोपों के संबंध में दायर की थी। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने सोमवार को खेड़ा की ओर से दायर न्यायालय की ओर से उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि धमकी और डराने-धमकाने की राजनीति पर न्याय की विजय होगी। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पूरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ एकजुटता से फैसले दी जाएगी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है।' उन्होंने यह भी कहा, 'हमें विश्वास है कि न्याय धमकी, डराने-धमकाने और

कोलकाता समेत नौ ठिकानों पर छापेमारी, राशन घोटाले में जांच जारी



बशीरहाट पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। एफआईआर घोड़ाडांगा एनसीएस के सीमा शुल्क उपायुक्त की शिकायत पर दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए तय सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है। यह मामला पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) घोटाले से जुड़ा है, जिसमें निरंजन चंद्र साहा समेत कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने मिलकर गरीबों को मिलने वाला गेहूं गलत तरीके से हेराफेरी कर लिया। आरोप है

कि गेहूं को कम कीमत पर अवैध तरीके से खरीदा गया और सफ्तायर्स, डीलरों, एजेंटों और विचौलियों की मदद से उसे सफ्ताय सिस्टम से बाहर निकाला गया। इसके बाद बड़ी मात्रा में गेहूं को अलग-अलग जगहों पर जमा किया गया। घोटाले को छिपाने के लिए एफसीआई और राज्य सरकार के निशान वाले बोरो को बदल दिया गया या हटा दिया गया, ताकि गेहूं की पहचान छिपाई जा सके। इसके बाद इसे खुले बाजार या निर्यात के जरिए बेच दिया गया। फिलहाल इस मामले में ईडी की जांच जारी है और आगे और खुलासे होने की संभावना है।

यह मामला कोविड-19 लॉकडाउन के समय का है। उस दौरान पश्चिम बंगाल के बशीरहाट सीमावर्ती इलाकों

13 साल की दुल्हन, 42 का दूल्हा... शादी कैसिल



इंदौर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में 13 साल की नाबालिंग का विवाह 42 साल के युवक से कराए जाने का मामला सामने आया है। शादी 25 अप्रैल को तय थी, लेकिन सूचना मिलने पर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। जांच के दौरान परिजनों ने उम्र छिपाने के लिए फर्जी अंकसूची पेश कर दी, लेकिन वरिफिकेशन में सच्चाई सामने आ गई और समय रहते विवाह रुकवा दिया गया।

प्रशासनिक टीम ने दस्तावेजों की जांच जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से कराई, जिसमें पता चला कि प्रस्तुत अंकसूचियों संबंधित स्कूलों द्वारा जारी ही नहीं की गई थीं। जांच में बालिका की उम्र 13 वर्ष और उसके भाई की उम्र 19 वर्ष पाई गई, जबकि परिवार की ओर से अधिक उम्र बताई जा रही थी। इसके बाद दोनों बालक-बालिकाओं के विवाह निरस्त कर दिए गए।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के समर्थकों की भीड़ में फंसी बच्ची

पिता ने मशक्कत कर बचाया

ग्वालियर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। चंबल अंचल के चार दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के स्वागत के लिए पहुंचे समर्थक एक बार फिर मर्यादा भूल गए। केंद्रीय मंत्री नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल नेटवर्क को निशाना बनाते हुए घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू दिया। अधिकारियों ने बताया कि नशीले पदार्थों पर तेज कार्रवाई के तहत पुलिस की कई टीमों ने कथित ड्रग सरगनाओं के घरों पर तलाशी अभियान चलाया।

ये अभियान छिपे हुए प्रतिबंधित सामान का पता लगाने के लिए पुलिस की के9 इकाइयों की मदद से चलाए गए। इस बीच, अधिकारियों ने उन संपत्तियों का सर्वेक्षण भी शुरू कर दिया है, जिनके बारे में संदेह है कि उन्हें अवैध तरीकों से हासिल किया गया है।

इसके कारण जगह-जगह बेरोकड़िंग और टीनशेड लगे हैं। इस वजह से प्लेटफार्म पर यात्रियों के लिए भी जगह कम बचती है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया के स्वागत के लिए समर्थक नारेबाजी कर रहे थे, साथ ही उन्हें माला पहनाने की होड़ भी समर्थकों के बीच मच गई।

इस दौरान समर्थकों ने प्लेटफार्म पर खड़े बाकी यात्रियों के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी, जिससे स्टेशन पिता ने किसी तरह से बचाया। भीड़ को नियंत्रित करने में आरपीएफ व जीआरपी के जवान पूरी तरह से नाकाम नजर आए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शुक्रवार शाम को ट्रेन मार्ग से ग्वालियर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय मंत्री के स्वागत के लिए समर्थकों की भारी भीड़ जुट गई। चुंकि वर्तमान में स्टेशन पुनर्विकास कार्य के चलते प्लेटफार्म पर काम चलता है,

राघव चड्ढा पर जमकर बरसे संजय राउत, किसे बताया 'वेशम' और किसे 'बकासुर'

मुंबई, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, बीजेपी की राजनीति सबको पता है। उनकी राजनीति को एक ही शब्द में कहें तो, वेशमी। उनमें कोई शर्म नहीं है। क्योंकि राघव चड्ढा जैसे लोग, जो कल तक हमारे मित्र थे, खुलेआम करते थे कि बीजेपी गुंडों, बदमाशों और भ्रष्ट लोगों की पार्टी है। ये सभी लोग थोक में गुंडों और भ्रष्ट लोगों की पार्टी में शामिल हो गए हैं। संजय राउत ने आगे कहा, महाभारत में एक राक्षस है, जिसका नाम बकासुर है। उसकी भूख कभी शांत नहीं होती, उसका पेट कभी नहीं भरता। बीजेपी बकासुरों की पार्टी बन गई है। ये कुछ भी खा लेते हैं। राघव चड्ढा जैसे सात लोग उस नरक की पार्टी में शामिल हो गए हैं। हमें इसका कोई अफसोस नहीं है।

भारत धर्मनिरपेक्ष है

लेकिन धार्मिक कार्यक्रमों पर रोक नहीं कर्नाटक हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

बेंगलुरु, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को अनुमति नहीं दी जा सकती। कर्नाटक हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए सिटी कॉर्पोरेशन के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मल्लेश्वरम ब्राह्मण ऐसे कोई दिशानिर्देश या नियम पेश नहीं कर पाया, जिनमें यह बताया गया हो कि ऑडिटोरियम का इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। देने से इनकार कर दिया गया था। बेंगलुरु वेस्ट कॉर्पोरेशन ने कहा था कि ऑडिटोरियम का इस्तेमाल धार्मिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह योग और उससे जुड़े कार्यक्रमों के लिए बनाया गया था।

यह कहते हुए कि शंकराचार्य जयंती न केवल धार्मिक, बल्कि एक सांस्कृतिक गतिविधि भी है, जस्टिस एमआई अरुण ने कहा, 'जिस पर रोक नहीं है, उसकी अनुमति है।' याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि सरकार ऑडिटोरियम में कई गतिविधियों की अनुमति देती है और

उनकी अर्जी खारिद करने का कोई ठोस आधार नहीं था। कॉर्पोरेशन ने कहा कि ऑडिटोरियम आमतौर पर धार्मिक और राजनीतिक गतिविधियों के लिए नहीं दिया जाता है। जस्टिस अरुण ने कहा कि कॉर्पोरेशन ऐसे कोई दिशानिर्देश या नियम पेश नहीं कर पाया, जिनमें यह बताया गया हो कि ऑडिटोरियम का इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा, शंकराचार्य सबसे सम्मानित आचार्यों में से एक हैं और उनका अद्वैत दर्शन देश के प्रमुख दार्शनिक परंपराओं में से एक है। श्री शंकराचार्य जयंती को धार्मिक और सांस्कृतिक दोनों ही माना जाना चाहिए। भारतीय सभ्यता की महानता उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी है और इसे हटाना देश की आत्मा को नुकसानने जैसा होगा। हाई कोर्ट ने कहा, भारतीय संस्कृति का उत्सव, जो धर्म से जुड़ा हुआ है, उसे कभी भी अवैध या असंवैधानिक नहीं माना जा सकता।

बाघ व शावक मृत मिले

टाइगर स्टेट एमपी में जनवरी से अब तक 23 बाघों की मौत

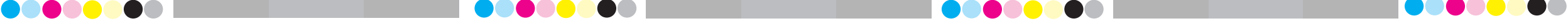
बालाघाट, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बाघों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कान्हा टाइगर रिजर्व (केटीआर) में एक बाघ के शावक और बालाघाट जिले में एक वयस्क बाघ की मौत के बाद राज्य में इस साल जनवरी से अब तक बाघों की मौत का आंकड़ा 23 पर पहुंच गया है। वर्ष 2022 की जनगणना के अनुसार देश में सबसे अधिक 785 बाघों का घर रहा मध्य प्रदेश लगातार बढ़ती मौतों के कारण चिंता के केंद्र में है। वन विभाग की निगरानी, गश्त और संरक्षण व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। कान्हा टाइगर रिजर्व के सरगी क्षेत्र में एक बाघ शावक का शव मिलने से हड़कंप मच गया।

केटीआर की उपनिदेशक अमिताबी ने बताया कि शावक की उम्र एक से डेढ़ वर्ष के बीच थी। यह इलाका मंडला और बालाघाट जिलों में फैले कान्हा के कोर क्षेत्र का हिस्सा है। शावक का पोस्टमार्टम किया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। वन विभाग के



मृताविक प्राथमिक जांच में शावक की मौत का कारण भूख लगने की आशंका जताई जा रही है। उपनिदेशक ने बताया कि संभव है शावक को मां ने समय पर भोजन नहीं कराया हो। इसी बाधिन के एक और शावक की तीन दिन पहले मौत हो चुकी है। बाधिन ने कुल चार शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से अब दो की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि बाधिन और उसके बच्चे हुए दो शावकों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। वन अमला उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी और अनहोनी को रोका जा सके। कान्हा जैसे प्रतिष्ठित टाइगर रिजर्व में इस

तरह की घटनाएं संरक्षण व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही हैं। इसी बीच बालाघाट जिले के उत्तर वन मंडल क्षेत्र में एक पूर्ण विकसित बाघ का शव भी बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस बाघ की मौत के कारणों की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी के आंकड़ों के अनुसार 21 अप्रैल तक मध्य प्रदेश में 21 बाघों की मौत दर्ज की गई थी। हालिया दो मौतों के साथ यह संख्या 23 हो गई है। इस साल की पहली बाघ मौत 7 जनवरी 2026 को बंधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सामने आई थी। 2 अप्रैल के बाद से ही राज्य में नौ बाघों की मौत हो चुकी है।



एयरोस्पेस हब के रूप में उभर रहा है तेलंगाना : रेवंत रेड्डी

‘विक्रम-1’ रॉकेट का डिजाइन और विकास पूरी तरह हैदराबाद में : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को देश का प्रमुख एयरोस्पेस हब बनाने के लिए राज्य सरकार व्यापक प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य एयरोस्पेस क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री ने उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू के साथ स्कायरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट ‘विक्रम-1’ के फ्लाइंग हाईवेयर को श्रीहरिकोटा के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत के पहले निजी ऑर्बिटल लॉन्च के लिए स्कायरूट का तैयार होना गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि ‘विक्रम-1’ रॉकेट का डिजाइन और विकास पूरी तरह हैदराबाद में किया गया है, जो राज्य के एयरोस्पेस क्षेत्र में तेजी से हो रही प्रगति का प्रतीक है। आने वाले महीनों में भारत का पहला निजी ऑर्बिटल लॉन्च किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023-24 से 2024-25 के बीच तेलंगाना ने इंजीनियरिंग नियत में 117.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो देश में सर्वाधिक है।



इस वृद्धि में विमान के पुर्जों और रक्षा उपकरणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में पहले से ही बोइंग, एयरबस और सैफ्रान जैसी वैश्विक कंपनियां कार्यरत हैं, जिससे तेलंगाना

एयरोस्पेस क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है। वर्ष 2047 तक इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व हासिल करना राज्य का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को

कौशल प्रशिक्षण देने के लिए सरकार विशेष पहल कर रही है। यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर्स और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को एकीकृत कर प्रशिक्षण को और सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा राज्य के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में स्टाफ को प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही स्कायरूट एयरोस्पेस ने भी स्किल्स यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी करने में रुचि दिखाई है।

इस अवसर पर स्कायरूट एयरोस्पेस के सीईओ एवं सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने कहा कि स्किल्स यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग से उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने स्कायरूट टीम की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में ऑर्बिटल लॉन्च स्तर तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और यह राज्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजित रेड्डी, स्कायरूट के सह-संस्थापक नागा भरत डाका सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा और बीआरएस का रवैया उचित नहीं था : पोन्नम

आरटीसी कर्मियों के मुद्दों पर कांग्रेस सक्रिय, मंत्री की वर्चुअल बैठक

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कांग्रेस पार्टी के डीसीसी अध्यक्षों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, निगम अध्यक्षों तथा आधिकारिक प्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल बैठक आयोजित कर आरटीसी कर्मियों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने आह्वान किया कि सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों के उपलक्ष्य में आरटीसी कर्मचारियों के साथ मिलकर उत्सव मनाया जाए। मंत्री ने कहा कि दो दिवसीय हड़ताल के दौरान कई दौर की वार्ताओं के बाद सरकार ने आरटीसी कर्मियों की लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान किया है। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री तथा मंत्रियों के दल ने लगभग 15 घंटे तक चर्चा कर हड़ताल समाप्त कराई। सरकार द्वारा लिए गए प्रमुख निर्णयों में आरटीसी का

सरकारी तंत्र में विलय, कर्मचारी संघों के चुनाव कराने का निर्णय तथा कर्मचारियों के लिए 11 प्रतिशत वेतन पुनरीक्षण (पीआरसी) की घोषणा शामिल है। मंत्री ने कहा कि अन्य लंबित समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया भी जारी है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान 55 दिनों की हड़ताल के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिससे 30 से अधिक कर्मचारियों की मृत्यु हुई। वर्तमान सरकार कर्मचारियों को अपना परिवार मानती है और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने आत्महत्या करने वाले शंकर गौड़ के परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस दौरान उन्होंने केन्द्रीय मंत्री बंडी

संजय पर निशाना साधते हुए कहा कि हड़ताल के दौरान भाजपा और बीआरएस का रवैया उचित नहीं था और इस मुद्दे पर राजनीति करना गलत है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने पार्टी नेताओं और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे इन निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाएं और सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी लोगों को दें। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने आरटीसी कर्मचारियों के लंबित बकाया, वेतन संशोधन, भत्तों की घोषणा, नई बसों की खरीद, भर्ती प्रक्रियाएं तथा सेवा से हटाए गए कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 65 लाख यात्री आरटीसी सेवाओं का उपयोग करते हैं और यह व्यवस्था गरीबों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के अवसरों तक पहुंचने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

शी टीम ने 32 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा

40 परिवारों का कराया समझौता

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस के महिला एवं बाल सुरक्षा विंग द्वारा 18 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान में अहम सफलता मिली है। शी टीम ने इस दौरान 122 डिर्कोय ऑपरेशन चलाते हुए सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकतें करने वाले 32 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। इन सभी के खिलाफ पेटी केस दर्ज किए गए, जबकि कुछ अन्य लोगों को काउंसलिंग देकर चेतावनी दी गई। इस अवधि में शी टीम को महिलाओं से 31 शिकायतें भी विभिन्न माध्यमों के जरिए प्राप्त हुईं, जिन पर कार्रवाई की गई। वहीं, साइबराबाद एंटी हारमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने एक पीआईटीए मामले में कार्रवाई करते हुए 1 पीड़िता को रस्क्यू किया और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। परिवार परामर्श केंद्रों और सीडब्ल्यूईडब्ल्यू सेंटरों के माध्यम से पति-पत्नी के विवादों में भी पहल करते हुए 40 परिवारों को फिर से मिलाने में सफलता हासिल की गई। साथ ही, एएचटीयू और शी टीम ने जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 2221 लोगों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में मानव तस्करी, बाल तस्करी, छेड़छाड़, सोशल मीडिया उत्पीड़न, बाल विवाह, बाल अधिकार, बाल श्रम, स्टॉकिंग, भीख मंगवाना, साइबर बुलिंग और साइबर धोखाधड़ी जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इसके अलावा महिलाओं के लिए हेल्पलाइन 181, बच्चों के लिए 1098, आपातकालीन सेवा 100 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त (महिला एवं बाल सुरक्षा विंग) के. सृजना ने दी।

अंतरराज्यीय ठग गिरोह का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार

नकली चांदी देकर व्यापारी के साथ की थी छुपी

यूपी और मध्यप्रदेश से हुई आरोपियों की गिरफ्तारी



हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महाकाली पुलिस ने धोखाधड़ी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह मामला एफआईआर नंबर 52/2026 के तहत दर्ज किया गया था, जिसमें आरोपियों ने नकली चांदी के जरिए व्यापारियों को लाखों रुपये का चूना लगाया। पुलिस के अनुसार, 25 मार्च 2026 को अवुलामांडा, सिकंदराबाद निवासी हीरालाल वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह श्री जगदंबा इंडस्ट्रीज नाम से सिल्वर रिफाइनरी व्यवसाय चला रहे हैं। उसी दिन दो व्यक्ति उनके पास कच्ची चांदी के तीन बार लेकर आए और 60 प्रतिशत शुद्धता के आधार पर बदले में 6350 ग्राम चांदी ले गए। डीसीपी सिकंदराबाद जॉन रक्षिता कृष्ण मूर्ति ने बताया

कि बाद में जांच में पता चला कि आरोपियों द्वारा दिया गया माल पूरी तरह नकली (0 प्रतिशत शुद्धता) था।

इस धोखाधड़ी से करीब 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ। जांच में सामने आया कि इसी गिरोह ने महाकाली और मार्केट पुलिस स्टेशन में भी इसी तरह की घटनाओं को अंजाम दिया, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 12 किलोग्राम चांदी की ठगी की गई। गिरोह के सदस्य पहले असली चांदी के जरिए व्यापारियों का भरोसा जीतते थे। इसके बाद तीसरी बार नकली चांदी को असली बताकर बदल लेते थे और फरार हो जाते थे। यह गिरोह मध्य प्रदेश, ओडिशा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है। पुलिस ने मुख्य आरोपी हर्देश कुमार (59) को आगरा

(उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया। इसके अलावा सुशील कुमार वर्मा (62), प्रिंस उर्फ लड्डू सोनी (23) और राजीव जैन (54) को भी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य आरोपी सोनू कुशवाहा को मध्य प्रदेश में पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 8.4 किलोग्राम चांदी, 1.5 लाख रुपये नकद और कई मोबाइल फोन जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी के खिलाफ पहले भी मध्य प्रदेश में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। यह कार्रवाई जे. नरसेया के पर्यवेक्षण में, एसपी च. श्रीधर और इंस्पेक्टर एस. रवि कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस ने व्यापारियों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध लेन-देन से पहले पूरी जांच करने की अपील की है।

CLASSIFIEDS CHANGE OF NAME

I, Ishaan known as VSS SUBRAMANYA KUMAR, S/o NUTULAPATI SARVESWARA RAO, R/o B-51, AWHO Colony, Veda Vihar, Subhash Nagar, Secunderabad, Telangana. I have changed my Name and shall hence after known as NUTULAPATI VSSUBRAMANYA KUMAR. It is certified that I have complied with other Legal requirements in this connection.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हमारी जनगणना, हमारा विकास (जनगणना 2027 का पहला चरण)

भारत सरकार द्वारा आपके राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना आरंभ होने जा रही है इससे पहले 15 दिनों की विशेष सुविधा दी जा रही है, जिसमें आप स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं

मैं हूँ
प्रगति



स्व-गणना (Self-Enumeration)

सरल और सुरक्षित डिजिटल सुविधा

कैसे करें स्व-गणना ?

- 1 आधिकारिक पोर्टल (se.census.gov.in) पर जाएँ
- 2 अपने मोबाइल नंबर से OTP द्वारा लॉगिन करें
- 3 अपना राज्य, जिला और स्थानीय विवरण चुनें
- 4 डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करें
- 5 मकान एवं परिवार से संबंधित जानकारी भरें
- 6 सबमिशन के बाद SE ID मिलेगी
- 7 SE ID सुरक्षित रखें
- 8 प्रगणक (Enumerator) आने पर SE ID दें
- 9 प्रगणक जानकारी की पुष्टि करेंगे

मैं हूँ
विकास



इसके लाभ

- समय की बचत
- सटीक जानकारी
- तेज़ डेटा प्रोसेसिंग

याद रखें स्व-गणना एक विशेष सुविधा है

यदि आप स्व-गणना नहीं कर पाते हैं, तो चिंता न करें, निर्धारित अवधि में प्रगणक आपके घर आकर जानकारी अवश्य दर्ज करेंगे

आपकी सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी

तेलंगाना

स्व-गणना
26 अप्रैल से 10 मई

मकानसूचीकरण
11 मई से 9 जून

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

'मेरे गुरुकुल में बड़े नेता आते हैं, 10 दिन में मिल जाएगी बेल' सीएम सम्राट चौधरी नीतीश कुमार से मिले, ललन सिंह भी साथ थे

कानपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में रहने वाले 11 साल के छात्र दिव्यांश की लखनऊ के गुरुकुल में प्रताड़ना से मौत के बाद घरवालों के आसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिव्यांश की हत्या के आरोप में आलमनगर स्थित रामानुज भागवत वेद विद्यापीठ गुरुकुल के संचालक सौरभ मिश्रा (27) और उसकी प्रेमिका हर्षिता सोनी (23) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दोनों ने मिलकर दिव्यांश की पिटाई की थी और उसे गर्मी भरे कमरे में बंद रखा था। इसकी वजह से बच्चे की हालत बिगड़ी और उसकी जान चली गई।

इस पूरे मामले में सौरभ मिश्रा की दबंगई सामने आई है। मीडिया ने उससे इस घटना के बाबत पूछताछ की तो उसने कैमरे पर कहा कि उसके गुरुकुल में बड़े-बड़े नेताओं और मंत्रियों का आना-जाना है। 10 दिन के भीतर उसकी जमानत हो जाएगी। अगर जरूरत पड़ी तो उसके साथ 1 हजार गुरुकुल संचालक खड़े हो जाएंगे। सौरभ मिश्रा और हर्षिता सोनी के खिलाफ हत्या और सबूत मिटाने जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया है।

‘किसी को कुछ बताया तो किडनी निकाल कर बेंच देंगे’

गुरुकुल में दिव्यांश के साथ पढ़ने वाले एक

दिव्यांश के हत्यारे सौरभ ने दिखाई दबंगई



बच्चे का दावा है कि सर ने रास्ते में उसे भी धमकाया था कि अगर कहीं कुछ बताया तो किडनी निकालकर बेंच देंगे।

15 अप्रैल को ही दिव्यांश गुरुकुल में हुआ था भर्ती

कानपुर के महाराजपुर थानाक्षेत्र के गौरिया गांव में रहने वाले दिव्यांश को उसके परिवार ने बीते 15 अप्रैल को ही मुफ्त वैदिक शिक्षा के लिए लखनऊ के गुरुकुल में भर्ती कराया था। बुधवार को उसके परिवार को सूचना दी गई कि आपका बेटा सीढ़ियों से गिर गया है। परिवार के लखनऊ पहुंचने से पहले ही गुरुकुल से जुड़ा एक व्यक्ति शव को कानपुर के महाराज स्थित उसके गांव ले आया और

घर के पास छोड़कर फरार हो गया।

शरीर पर मिले चोटों के 42 निशान

दिव्यांश के शरीर पर चोटों के 42 निशान मिले। साथ ही सिगरेट से जलाने के निशान भी पाए गए। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की गई थी। एक रिश्तेदार ने कहा कि उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे, जिनमें कुछ जलने जैसे लग रहे थे, जिससे यातना दिए की आशंका है। तीन मंजिला मकान में चल रहा था गुरुकुल कानपुर के पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि महाराजपुर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गुरुकुल लखनऊ में एक तीन

मंजिला मकान से संचालित हो रहा था, जहां बालक करीब एक हफ्ते से रह रहा था।

पिटाई के बाद गर्म कमरे में बच्चे को बंद कर दिया

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान सौरभ मिश्रा ने स्वीकार किया है कि उसने पिछले कुछ दिन में बालक की पिटाई की और उसे कम हवादार, बिना पंखे वाले कमरे में बंद रखा। पुलिस के मुताबिक, मारपीट और अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चे की हालत बिगड़ी।

अस्पताल में भर्ती कराने में रहे नाकामयाब

पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पहले लखनऊ के एक नर्सिंग होम में बच्चे को भर्ती कराने की कोशिश की, लेकिन मना कर दिया गया। इसके बाद वे उसे कानपुर ले गए, जहां लाला लाजपत राय अस्पताल में भी भर्ती नहीं किया गया। इसके बाद आरोपी शव को बालक के घर के पास छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने लखनऊ में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। 11 साल के दिव्यांश की मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल है। परिजनों ने शुरू में अंतिम संस्कार से इनकार करते हुए कड़ी कार्रवाई और मुआवजे की मांग की, लेकिन बाद में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के दौरे के बाद स्थिति शांत हुई और ड्यूटी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

रामदास आठवले की पार्टी पत्नी की मौत के एक घंटे बाद पति ने दी जान

करेगी यूपी चुनाव में एंट्री

भाजपा से 25 सीटों की

मांग, नहीं तो अकेले

चुनाव लड़ने की तैयारी

लखनऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से 25 सीटें मांगी हैं। गठबंधन न होने की स्थिति में आठवले ने अकेले चुनाव लड़ने की भी घोषणा की है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता ने शनिवार को एक आधिकारिक प्रेस नोट जारी किया। इसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए पार्टी की रणनीति और संगठन विस्तार की घोषणा की गई। प्रेस नोट के अनुसार, रामदास आठवले ने कहा है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर मजबूत संगठन तैयार कर रही है, ताकि आगामी

पत्नी की मौत के एक घंटे बाद पति ने दी जान

नोट में लिखा-'मेरी कोई गलती नहीं, रोता रहा दस माह का मासूम



बारबंकी, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बारबंकी में फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिलौली में शनिवार को दंपती की एक के बाद एक हुई मौत से सनसनी फैल गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बिलौली निवासी कुलदीप (30) का विवाह करीब दो वर्ष पूर्व कटघरा गांव की निशा चौहान (27) से हुआ था। कुलदीप अपनी पत्नी के साथ अलग रहता था, जबकि उसकी मां दयावती और भाई दिवाकर अलग-अलग घरों में निवास करते हैं। बताया जा रहा है कि कुलदीप इन

चला कि उसने घर के अंदर ही रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया और परिजन स्तब्ध रह गए।

मासूम के सिर से उठा माता-पिता का साया

मृतक कुलदीप शारीरिक रूप से दिव्यांग था और मेहनत-मजदूरी के साथ इलेक्ट्रॉनिक कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करता था। दंपती का 10 माह का पुत्र बालगोविंद है, जिसके सिर से एक ही दिन में

माता-पिता का साया उठ गया। ग्रामीणों के अनुसार, कुलदीप और उसकी पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुसाइड नोट में लिखी बेगुनाही बताया जा रहा है कि कुलदीप ने पांच पंक्तियों का सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने खुद को निंदीष बताते हुए लिखा- 'मेरी कोई गलती नहीं है, मेरे बेटे, भाई और मां का ख्याल रखना'।

लूट के दौरान हत्या, गुस्साई भीड़ ने दो अपराधियों को बेरहमी से पीटा

एक की मौत, दूसरा गंभीर गोपालगंज, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भोरे थाना क्षेत्र के लाला छापरा गांव में लूट और हिंसा के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक युवक की हालत गंभीर है। इससे पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, हथियारबंद अपराधियों ने लाला छापरा स्थित एक सोने-चांदी की दुकान को निशाना बनाया। अपराधी दुकान में घुसकर जेवरत लूटने लगे। वारदात को अंजाम देकर भाग रहे अपराधियों का विरोध करने पर उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में सिसई गांव निवासी डब्लू मिश्र को गोली लग गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

थाने में आकर सबूत और बैंक दस्तावेज दे, फिर उसको रुपये लौटा दिए जाएंगे।

मुजफ्फरनगर के शख्स ने पैसों पर किया अपना दावा बताया जा रहा है कि बलवा चौकी प्रभारी मुकेश दिनकर पुलिस टीम के साथ मेरठ-करनाल हाइवे पर चेकिंग कर रहे थे।

इसी दौरान एक राहगीर ने हाइवे पर बिखरे नोटों के बारे में बताया। इस बीच, मुजफ्फरनगर में रहने वाले एक शख्स ने इन पैसों पर अपना दावा किया है। पुलिस उसके दावे की जांच कर रही है।

मेरठ-करनाल हाइवे पर बिखरी मिलीं 500 और 200 रुपये की गड़ियां!

शामली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली स्थित मेरठ-करनाल हाइवे पर ऐसा नजारा दिखा जिससे लोग हैरान रह गए। दरअसल, हाइवे पर करीब आधे किलोमीटर के बीच 500, 200 और 100 रुपये के अनेकों नोट बिखरे पड़े मिले।

किसी राहगीर की इस पर नजर गई तो उसने बिना देर किए पुलिस को खबर दे दी। मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे और एक-एक नोट उठाकर समेटा। जब नोटों की गिनती की गई तो वे पूरे चार लाख रुपये निकले। पुलिस ने इस पैसे को

श्रमिकों के लिए बड़ा कदम : नोएडा में बनेंगे 4 हॉस्टल



नोएडा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहरों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए सबसे बड़ी समस्या हमेशा सस्ते और सुरक्षित आवास की रही है। बढ़ते किराए, लंबी दूरी और सीमित आय के बीच जीवन यापन करना उनके लिए चुनौती बना हुआ है।

अब इसी समस्या को दूर करने के लिए सरकार और प्राधिकरण स्तर पर बड़े फैसले लिए गए हैं। नोएडा में जहां श्रमिकों के लिए कार बड़े हॉस्टल बनाए जाएंगे, वहीं पूरे राज्य में किराया नीति आवास नीति को औद्योगिक क्षेत्रों में लागू करने की तैयारी है,

4 लाख की 'लावारिस' रकम देखकर पुलिसवाले भौचक

मालखाने में जमा कर दिया और इसके मालिक की तलाश की जा रही है। राहगीर अमित ने शामली पुलिस को बताया कि एक बाइक सवार की पीठ पर लगे बैग की चेन खुली हुई थी। उससे नोट निकलकर हवा में उड़ते जा रहे थे और उसे कुछ पता नहीं चला। अमित ने ईमानदारी दिखाते हुए नोटों की सभी गड़ियों को इकट्ठा किया और उसे पुलिस को जानकारी दी।

हाइवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

एसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अभी तक जिले के किसी थाने पर नोट मिसिंग की रिपोर्ट किसी ने दर्ज नहीं कराई है। बरामद नोटों पर एक बैंक का नाम और पच्ची भी लगी हुई है। बैंक से पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह रकम किस खाते से और किसने निकाली है। जिस व्यक्ति के ये रुपये हैं, वह

इससे बचाव के लिए कॉलेज प्रशासन ने करीब छह माह पहले खेरेश्वर निवासी लव के पास मौजूद गोलू नामक लंगूर को बंदरों को भगाने के लिए बतौर गार्ड के रूप में तैनात किया। इसके एजेंट में 12 हजार रुपये मासिक भुगतान किया जा रहा था।

मुजफ्फरनगर के शख्स ने पैसों पर किया अपना दावा

बताया जा रहा है कि बलवा चौकी प्रभारी मुकेश दिनकर पुलिस टीम के साथ मेरठ-करनाल हाइवे पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक राहगीर ने हाइवे पर बिखरे नोटों के बारे में बताया। इस बीच, मुजफ्फरनगर में रहने वाले एक शख्स ने इन पैसों पर अपना दावा किया है। पुलिस उसके दावे की जांच कर रही है।

लंगूर गार्ड की सेवा समाप्त, वन विभाग ने कराया आजाद

बंदर भगाने के लिए मिलती थी हर महीने 12 हजार सैलरी

अलीगढ़, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। गोलू के साथ अब सैल्वी नहीं मिल पाएगी। धर्म समाज कॉलेज से लंगूर गार्ड की सेवा समाप्त हो चुकी है। 14 अप्रैल को वन विभाग की टीम ने कॉलेज पहुंचकर गोलू लंगूर को यह कहते हुए आजाद कर दिया कि इसे रस्सी से बांधकर रखना गैरकानूनी है। कॉलेज परिसर में छात्र-छात्राओं को लंबे समय से बंदरों की समस्या का सामना करना पड़ रहा था।

इससे बचाव के लिए कॉलेज प्रशासन ने करीब छह माह पहले खेरेश्वर निवासी लव के पास मौजूद गोलू नामक लंगूर को बंदरों को भगाने के लिए बतौर गार्ड के रूप में तैनात किया। इसके एजेंट में 12 हजार रुपये मासिक भुगतान किया जा रहा था।

राम मंदिर में दर्शन के लिए पुरुषों को धोती-कुर्ता तो महिलाओं को साड़ी पहनने की सलाह

ट्रस्ट की अपील

अयोध्या, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भीषण गर्मी और बढ़ती श्रद्धालु संख्या के बीच श्री राम मंदिर अयोध्या में दर्शन व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के लिए ट्रस्ट ने नई एडवाइजरी जारी की है। ऑनलाइन दर्शन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है, जबकि समग्र व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। इसके साथ ही श्रद्धालुओं से भारतीय परिधान में दर्शन करने की अपील भी की गई है। गर्मी के कारण दर्शन के समय और भीड़ के पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन और ट्रस्ट दोनों स्तर पर व्यवस्थाएं लगातार अपडेट की जा रही हैं।

भारतीय परिधान में दर्शन की अपील

मंदिर ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे भारतीय परिधान में मंदिर में प्रवेश करें। पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता या धोती-पजामा और महिलाओं के लिए साड़ी, पंजाबी ड्रेस या चूड़ीदार-दुपट्टा पहनने की सलाह दी गई है। **ऑनलाइन दर्शन पास के फॉर्मेट में बदलाव** श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर दर्शन पास बुकिंग के फॉर्मेट में बदलाव किया गया है। अब सामान्य दर्शन पास के साथ अन्य श्रेणियों के विकल्प भी दिए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं को



अपनी सुविधा के अनुसार पास चुनने में आसानी होगी। ट्रस्ट के वरिष्ठ ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के अनुसार, सुगम और विशिष्ट दर्शन पास की व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सामान्य श्रद्धालुओं के लिए भी पास जारी किए जा रहे हैं, जिससे वे रामलला और राम दरबार के साथ अन्य मंदिरों के दर्शन कर पा रहे हैं।

किस पास से कहाँ तक दर्शन

सामान्य दर्शन पास वाले श्रद्धालु रामलला, राम दरबार के साथ परिसर में स्थित सप्त ऋषि मंदिर और शेषावतार कुबेर टीला मंदिर तक दर्शन कर सकते हैं। वहीं सुगम और विशिष्ट दर्शन पास धारकों को परकोटा के छह मंदिरों सहित सभी प्रमुख स्थलों के दर्शन की सुविधा मिल रही है।

राम मंदिर में दर्शन के लिए पुरुषों को धोती-कुर्ता तो महिलाओं को साड़ी पहनने की सलाह



वर्तमान में रोजाना 15 से 20 हजार श्रद्धालु दर्शन पास के माध्यम से मंदिर में दर्शन कर रहे हैं। **भीषण गर्मी का असर, दोपहर में घंटी भीड़** चिलचिलाती धूप का असर अब मंदिर में दर्शन के समय पर भी साफ दिख रहा है। दोपहर के समय श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है, जबकि सुबह और शाम के समय भारी भीड़ उमड़ रही है। बाहर से आए श्रद्धालुओं का कहना है कि पहले टेढ़ी बाजार से वाहनों को रोक दिया जाता था, जिससे करीब तीन किलोमीटर पैदल चलकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता था। अब येलो जोन पास मिलने से वाहन मंदिर के पास तक छोड़ सकते हैं, जिससे गर्मी में काफी राहत मिली है।



किया' एक दिन पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार के कार्यकाल की खूब तारीफ की थी। सदन में उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश विकसित हो। उसी तरह नीतीश कुमार चाहते हैं कि बिहार समृद्ध हो। उन्होंने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि पाठशाला किसी की बंपोती नहीं है। विरासत से बाहर निकलिए। मुझे बिहार की 14 करोड़ की जनता का आशीर्वाद प्राप्त है। मुझे लालू

बदायूं में 14 बकरे चोरी

भाजपा नेता समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, जांच शुरू

बदायूं, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बदायूं के थाना उधैती क्षेत्र के गांव छिवऊ कलां में 14 बकरों की चोरी का मामला सामने आया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी मोहम्मद अशफाक ने पुलिस को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि 21 अप्रैल की रात उनके घेर में बंधे 14 बकरों को अज्ञात चोर चुरा ले गए। काफी तलाश के बावजूद बकरों का कोई सुराग नहीं मिल सका था। इसके बाद 23 अप्रैल को अशफाक ने शक के आधार पर कुछ लोगों के नामजद किया। नामजद किए गए लोगों में गांव निवासी रजनीश गुप्ता शामिल हैं। वह भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष हैं।

इनके अलावा, संभल जिले की कोतवाली हयातनगर निवासी मुन्ना और सोनू पुत्र इसत्याम को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई की है। उधैती इंस्पेक्टर ऋषिपाल सिंह ने जानकारी दी कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दो दिन की बकरों की तलाश, नहीं लगा सुराग

मोहम्मद अशफाक के अनुसार, चोरी की घटना 21 अप्रैल की रात को गांव छिवऊ कलां में हुई थी। उनके घेर से 14 बकरे चोरी हो गए थे। दो दिनों तक बकरों की तलाश करने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 23 अप्रैल को उन्होंने उधैती पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

बेटी की शादी कराके लौट रहे मां-बाप-भाई समेत 5 की मौत

मऊ, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मऊ में शनिवार तड़के भीषण सड़क हादसे में मां-बाप-भाई समेत 5 लोगों की मौत हो गई। परिवार रांची में बेटी की शादी कराके स्कॉपियो से गोरखपुर लौट रहा था। तड़के के 3 बजे हाईवे पर अचानक स्कॉपियो बेकाबू हो गई। डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में चली गई। सामने से आ रहे ट्रैलर से टकरा गई। हादसे के बाद बुरी तरह पिचकी स्कॉपियो में परिवार फंस गया। स

स्थानीय लोगों और पुलिस ने जैसे-तैसे सभी को बाहर निकाला, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। हादसा दोहरीघाट थाने में हुआ। शुरुआती जांच बता रही है कि हादसा दोहरीघाट थाने में हुआ। हादसे में विनय श्रीवास्तव (53), उनकी पत्नी अर्चना श्रीवास्तव (48) और बेटे कृतार्थ (27) की मौत हो गई। परिवार गोरखपुर के रानीडीहा थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। जबकि दोनों ड्राइवर नीतीश कुमार (20) और पुरुषोत्तम कुमार (28) बिहार के गया के रहने वाले थे।

ब्रिटेन ने जंग में साथ नहीं दिया, ट्रम्प नाराज

लंदन, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन और स्पेन ने नाटो से जुड़ी एक अमेरिकी रिपोर्ट पर आपत्ति जताई है। इसमें कहा गया था कि ट्रम्प सरकार इन दोनों देशों को सजा देने पर विचार कर रही है। इसकी वजह ईरान के खिलाफ जंग में अमेरिका का खुलकर साथ नहीं देना है।

संयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन के भीतर अधिकारियों के बीच एक ईमेल के जरिए बातचीत हुई, जिसमें अलग-अलग संभावित कदमों (ऑप्शन्स) पर विचार किया जा रहा था।

जैसे कि विरोधी माने जा रहे देशों को नाटो के अहम पदों से हटाना, स्पेन जैसे देश को गठबंधन में उसकी भूमिका को सीमित करना और ब्रिटेन के फॉकलैंड द्वीप पर दावे को लेकर अमेरिका की नीति की समीक्षा करना। हालांकि पेंटागन ने इस ईमेल पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी और यह ईमेल सार्वजनिक रूप से भी सामने नहीं आया है। ईरान पर हमलों के दौरान ट्रम्प और स्टार्मर के बीच तनाव देखने को मिला था। शुरुआत में ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने एयरबेस इस्तेमाल करने की

ब्रिटेन के कब्जे वाले फॉकलैंड द्वीप पर अर्जेंटीना का साथ दे सकते हैं



अनुमति नहीं दी थी। बाद में ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद ब्रिटेन ने कुछ एयरबेस इस्तेमाल करने की इजाजत दी, ताकि होर्मुज या ब्रिटिश ठिकानों को खतरा पैदा करने वाले ईरानी ठिकानों पर हमला किया जा सके। हालांकि फिर ट्रम्प इससे खुश नहीं हुए।

दूसरी तरफ अर्जेंटीना में इस खबर को लेकर खुशी का माहौल है। सरकार के प्रवक्ता जेवियर लानारी ने कहा कि उनका देश ‘माल्विनास’ को वापस पाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ट्रम्प के करीबी माने जाते हैं। मिलेई ने भी कहा कि इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा।

फॉकलैंड को लेकर अर्जेंटीना और ब्रिटेन में विवाद

फॉकलैंड द्वीप का मामला ब्रिटेन और अर्जेंटीना दोनों के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है। दोनों देश इस पर दावा करते हैं। अर्जेंटीना इस द्वीप को माल्विनास कहता है।

फॉकलैंड दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित हैं और अर्जेंटीना से सिर्फ 500 किमी दूर हैं। वहीं ब्रिटेन से यह 13,000 किमी दूर स्थित है।

अर्जेंटीना ऐतिहासिक रूप से इस द्वीप को अपना बताता आया है। अर्जेंटीना का कहना है कि ये द्वीप उसके पास होने चाहिए, क्योंकि ये उसके इलाके के करीब हैं। वहीं ब्रिटेन कहता है कि यहां

फॉकलैंड नीति की समीक्षा कर सकता है अमेरिका

अब लीक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, फॉकलैंड द्वीप को लेकर अमेरिका की नीति की समीक्षा कर सकता है। दरअसल, जब 1982 में फॉकलैंड युद्ध शुरू हुआ तब अमेरिका ने खुद को बीच में रखने की कोशिश की।

अमेरिका चाहता था कि ब्रिटेन और अर्जेंटीना आपस में बात करके मामला सुलझाएँ, क्योंकि दोनों ही उसके सहयोगी थे। लेकिन जब बातचीत से हल नहीं निकला, तो अमेरिका ब्रिटेन के पक्ष में आ गया।

माली में दहशत, राजधानी समेत कई शहरों में गोलीबारी और धमाके

अल-कायदा-इस्लामिक स्टेट पर संदेह



बैरकों को निशाना बनाया है। सैनिक फिलहाल हमलावरों को रोकने में लगे हुए हैं। माली लगातार अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े गुटों के हमलों का सामना कर रहा है। सेना को उत्तर में अलगाववादी विद्रोह से जूझना पड़ रहा है।

बामाको में एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार ने मोडिबो कीटा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से भारी हथियारों और ऑटोमैटिक राइफलों से गोलीबारी की आवाज सुनने की बात कही है। यह

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ईरान के चाबहार पोर्ट में अपनी हिस्सेदारी ईरानी कंपनी को सौंप सकता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम अस्थायी तौर पर उठाया जा सकता है, ताकि अमेरिका के प्रतिबंधों से मिली छूट खत्म होने के बाद भी काम जारी रह सके।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का इस पोर्ट में 1100 करोड़ का निवेश है। भारत सरकार इस मुद्दे पर अमेरिका और ईरान दोनों से अलग-अलग बातचीत कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यह बातचीत बेहद संवेदनशील है और इसमें शामिल अधिकारियों ने पहचान उजागर करने से इनकार किया है।

भारत को नवंबर 2025 में छह महीने की छूट मिली थी, जिससे चाबहार पोर्ट पर बिना रुकावट काम होता रहा। यह छूट इस महीने खत्म हो रही है।

रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि भारत चाबहार प्रोजेक्ट से पूरी तरह बाहर निकलने की योजना नहीं बना रहा है। भविष्य में यहां कनेक्टिविटी बढ़ाने की योजना है, जिसमें रेल लिंक भी शामिल है, जिससे अफगानिस्तान और आगे तक पहुंच मजबूत होगी।

चाबहार की हिस्सेदारी ईरानी कंपनी को सौंप सकता है भारत

अमेरिका प्रतिबंध हटने तक जारी रहेगी अस्थायी व्यवस्था, भारत का यहां 1100 करोड़ का निवेश



भारत इस अस्थायी ट्रांसफर को अमेरिका और ईरान के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश के तौर पर देख रहा है।

एक तरफ अमेरिका का ईरान पर सख्त प्रतिबंध है, वहीं दूसरी तरफ चाबहार पोर्ट भारत की रणनीति का अहम हिस्सा है। यह पोर्ट पाकिस्तान को बायपास करते हुए सीधे अफगानिस्तान तक पहुंच देता है।

चाबहार पोर्ट होर्मुज स्ट्रेट के पास है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। इसकी लोकेशन इसे रणनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण बनाती है। चाबहार पोर्ट

लंबे समय से भारत की क्षेत्रीय रणनीति का हिस्सा रहा है। इसे पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट में चीन की मौजूदगी के जवाब के तौर पर भी देखा जाता है। ऐसे में हिस्सेदारी ट्रांसफर का कोई भी कदम क्षेत्रीय कूटनीति पर असर डाल सकता है।

भारत ने साल 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान ईरान से चाबहार पोर्टकी लेकर बातचीत शुरू की। बाद में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव के कारण यह प्रक्रिया रुक गई।

साल 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने

दुनिया का सबसे लंबा पुल, समुद्र में 55 किलोमीटर फैला है चीनी इंजीनियरों का कमाल



बीजिंग, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने करीब आठ साल पहले दुनिया के सबसे लंबे समुद्री पुल को खोला था। यह पुल हांगकांग और मकाऊ के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्रों को चीन से जोड़ता है। इस पुल की लंबाई 55 किलोमीटर (34 मील) है। इस पुल की लागत 20 अरब डॉलर से ज्यादा है और इसे बनाने में करीब एक दशक का समय लगा है। इस पुल को चीनी इंजीनियरों की कारीगरी का एक बेहतरीन नमूना माना जाता है, जिन्होंने हलिया वर्षों में लगातार कमाल किया है। पर्ल रिवर डेल्टा के पार 34

चाबहार पोर्टमें 800 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की। साल 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान और अफगानिस्तान के नेताओं के साथ चाबहार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत भारत ने एक टर्मिनल के लिए 700 करोड़ रुपए देने और पोर्टके विकास के लिए 1,250 करोड़ रुपए का कर्ज देने का फैसला किया।

साल 2024 में तत्कालीन विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने

ईरान के विदेश मंत्री से मुलाकात कर कनेक्टिविटी के मुद्दे पर चर्चा की। बिना पाकिस्तान के रास्ते सेंट्रल एशिया तक पहुंच। भारत को अफगानिस्तान या दूसरे एशियाई देशों तक सामान भेजने के लिए पाकिस्तान के रास्ते से नहीं जाना पड़ता।

भारत ईरान के चाबहार पोर्ट से

सीधा अपना माल अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया भेज सकता है।

इससे समय और पैसा दोनों बचते। भारत चाबहार के जरिए

अपने सामान, दवाएं, फूड और

इंडस्ट्रीयल प्रोडक्ट आसानी से

दूसरे देशों तक भेज सकता है।

इटली की पीएम का झुमके पहने फोटो वायरल

लोग बोले- भारतीय संस्कृति का असर



रोम, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की झुमके पहने तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। हाल ही में मेलोनी ने एक सेल्फी शेयर की, जिसमें वह चारकोल ब्लेजर और बेरा रंग के कपड़ों के साथ फॉर्मल विंटर लुक में नजर आईं। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान उनके झुमकों ने खींचा। इनमें घुंघरू जैसे डिजाइन

थे, जो भारतीय स्टाइल की पहचान माने जाते हैं।

मेलोनी ने इस फोटो के साथ राजनीति से जुड़ा एक सख्त संदेश भी लिखा, जिसमें प्रोपेगेंडा, आजादी और इटली के हितों की बात की गई थी। लेकिन सोशल मीडिया पर लोग उस मैसेज से ज्यादा उनके झुमकों की चर्चा कर रहे हैं।

कुछ ही मिनटों में भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन भर दिया और इस अनोखे फैशन मोमेंट पर प्रतिक्रिया देने लगे। कुछ लोगों ने इसे दुनिया में बढ़ते भारत के सांस्कृतिक प्रभाव का संकेत बताया, वहीं कई लोगों ने मजाक में कहा कि मेलोनी ने बॉलीवुड स्टाइल ड्रेसिंग अपना ली है।

अमेरिका के साथ वार्ता पर ईरान में फूट

तेहरान, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और इजरायल के साथ जंग शुरू होने के बाद से ही ईरान के बारे में सवाल बना हुआ है कि देश के फैसले कौन ले रहा है। अली खामेनेई और अली लारीजानी की हत्या के बाद तेहरान की सत्ता में फूट और खींचतान को लेकर कई दावे सामने आए हैं। ईरान ने एकजुटता दिखाने की कोशिश की है लेकिन ये एका सवालों के घेरे में है। खासतौर से पाकिस्तान में अमेरिका के साथ दूसरे दौर की वार्ता के मुद्दों पर बातचीत है। और सैन्य नेतृत्व में एकजुटता नहीं होने की बात सामने आई है। अब नया विवाद अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत है।

तेहरान में एक कथित गोपनीय पत्र के चलते विवाद है। इसे वरिष्ठ अधिकारियों ने ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को भेजा था। इस पत्र में चेतावनी दी गई थी कि ईरान की आर्थिक स्थिति बेहद गंभीर है। अब

मोजतबा खामेनेई को लिखी 'सीक्रेट चिट्ठी' के लीक होने से खुल गई पूरी बात



परमाणु मुद्दे पर अमेरिका के साथ गंभीरता से बातचीत करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है, जिस पर बात करने से उन्होंने मना किया है। ईरान के कुछ नेता कथित तौर पर इस मुद्दे वार्ता तो कुछ कड़ा रुख चाहते हैं।

इस कथित दस्तावेज को निजी तौर पर भेजा गया था। यह सार्वजनिक करने के लिए नहीं था लेकिन इसके लीक होने की बात सामने आई है। इस लेटर पर

संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के हस्ताक्षर हैं। वहीं कुछ शीर्ष अधिकारियों ने इस पर हस्ताक्षर करने से साफ इनकार कर दिया।

जानकारों का मानना है कि यह पत्र नेतृत्व के भीतर बढ़ती फूट का संकेत है। इस बात पर मतभेद है कि अमेरिका से बातचीत की जाए या टकराव जारी रखा जाए। ये

घटनाक्रम ट्रंप के उस बयान के तुरंत बाद सामने आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के अधिकारी वॉशिंगटन के साथ बातचीत के मुद्दे पर बिल्लियों की तरह आपस में लड़ रहे हैं।

अगर कोई क्लासिफाइड सरकारी लेटर का खुलासा करेगा तो उसे ईरानी कानून के तहत 10 साल तक की जेल हो सकती है। यह जुर्म माफ ना करने लायक है। कॉन्फिडेंशियल डॉक्यूमेंट में उन लोगों को दिखाया गया जो रेसट्रिक्टेड सर्कल से बाहर थे।

इस कथित विवाद का सीधा शुरु होने से पहले मोजतबा खामेनेई ने एक 'रेड लाइन' (सीमा रेखा) तय करते हुए वार्ताकारों को निर्देश दिया था कि वे अमेरिका के साथ परमाणु मुद्दे पर चर्चा ना करें।

नेपाल में 3 हफ्ते में 2 मंत्रियों का इस्तीफा

काठमांडू, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को सरकार की कमान संभाले अभी एक महीने भी नहीं हुए हैं कि उन्हें अपने दो मंत्रियों को कैबिनेट से हटाना पड़ा है। इसके अलावा ईरान युद्ध की वजह से एनर्जी संकट से भी जूझना पड़ रहा है और अब दुनिया में जिस नई वैश्विक व्यवस्था का गठन हो रहा है उसमें नेपाल की विदेश नीति क्या होगी ये तय करने की भी जिम्मेदारी बालेन शाह पर है। नेपाल में नई सरकार बनने के बाद नई दिल्ली, बीजिंग और वॉशिंगटन तीनों ही जगहों पर फिलहाल अनिश्चितता है कि बालेन शाह किस तरह की विदेश नीति अपनाएंगे।

अमेरिका ने इस दौरान दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक विदेश मंत्री समीर पॉल कपूर को एक खास मकसद के साथ कामांडू भेजा था ताकि पता लगाया जा सके कि नेपाल का मिजाज कैसा बन रहा है। उनके

3 महाशक्तियों का जमावड़ा, पीएम बालेन शाह की 'अग्निपरीक्षा'



पहुंचते ही बीजिंग में बेचैनी फैली और चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के विभाग की उप महानिदेशक काओ जिंग भी काठमांडू में स्थिति नेपाली विदेश मंत्रालय पहुंच गई। इस बीच खुद प्रधानमंत्री बालेन शाह फिलहाल नई दिल्ली की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं जहां उनकी मुलाकात भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से होगी।

हिरगज डिप्लोमेट एसडी मुनि ने कहा था कि अमेरिका का

गतिविधियों को बढ़ावा मिले। भारत हाल के दिनों में अमेरिकी गतिविधियों को लेकर ज्यादा सतर्क नजर आ रहा है क्योंकि बांग्लादेश ने उसे करीब दो सालों तक काफी परेशान किया है।

गृहमंत्री सुदन गुरुंग के सरकार से बाहर होने से चीनियों को काफी राहत मिली है क्योंकि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को गिरफ्तार करवाया था। पिछले ही हफ्ते चीनी राजदूत झांग माओमिंग ने गृहमंत्री गुरुंग से मुलाकात की थी जिसमें उन्होंने नेपाल में तिब्बती और ताइवाना गतिविधियों को मुद्दा उठाया है।

अब वो सरकार से बाहर जा चुके हैं। नेपाल टाइम्स से बात करते हुए विश्लेषक इंद्र अधिकारी ने कहा भौगोलिक रूप से हम तिब्बत के ज्यादा करीब हैं न कि चीन की मुख्य भूमि के। इसलिए चीन हम पर हमशा शक की नजर रखता है।

वेदांता प्लांट हादसे में 25 मौतें एनएचआरसी ने मांगी रिपोर्ट

रायपुर/सक्ती, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए ब्लास्ट में अब तक 25 मजदूरों की मौत हो चुकी है। हादसे में 36 लोग घायल थे, जिनमें से 3 मरीजों की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है, जबकि 5 मरीजों को ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। वहीं 2 मरीजों को इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। घटना के 10 दिन बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने

राज्य सरकार से कहा है कि घटना की जवाबदेही तय करे और पीड़ितों को न्याय दिलाए। राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर 2 हफ्ते के अंदर डिटेल से रिपोर्ट मांगी है। 14 अप्रैल को हुए हादसे के बाद औद्योगिक सुरक्षा विभाग के बॉयलर इंस्पेक्टर उज्जवल गुप्ता और उनका टीम ने 15 अप्रैल को घटना स्थल की जांच की। एसपी प्रफुल्ल ठाकुर की सौंपी गई शुरुआती जांच रिपोर्ट में प्लांट प्रबंधन की गंभीर लापरवाही सामने आई थी।



28 फरवरी को जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान में मुजतबा खामेनेई के पिता (अयातुल्ला अली खामेनेई) के ठिकाने पर हमला किया था, तब से वह छिपकर रह रहे हैं। उसी हमले में अयातुल्ला खामेनेई, पत्नी और बेटे की मौत हो गई। मुजतबा खुद भी घायल हो गए और अब डॉक्टरों की एक टीम उनकी देखभाल कर रही है। उनसे मिलना बहुत मुश्किल है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान जो पेशे से हार्ट सर्जन हैं और स्वास्थ्य मंत्री भी उनके इलाज में शामिल रहे हैं। मुजबता से मिलने बड़े अधिकारी और सेना के कमांडर नहीं जाते, क्योंकि उन्हें डर है कि इजराइल उनके जरिए ठिकाने का पता लगाकर हमला कर सकता है।

मुजतबा खामेनेई की हालत गंभीर रही है, लेकिन दिमाग से वह पूरी तरह एंक्टिव हैं। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन हुआ है और अब उन्हें नकली पैर लगाना पड़ेगा। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उनके चेहरे और हाँठ बुरी तरह जल गए हैं, जिससे बोलना मुश्किल है और आगे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ेगी। यह पूरी जानकारी कई वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्व अधिकारियों, सेना के लोगों और जानकारों से बातचीत के आधार पर सामने आई है। सभी ने अपनी पहचान छिपाने की शर्त पर यह सूचना दी, क्योंकि मामला बहुत संवेदनशील है।

जब अयातुल्ला अली खामेनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर थे, तब युद्ध, शांति और अमेरिका से बातचीत जैसे बड़े फैसले वही अकेले लेते थे। उनके पास पूरी ताकत थी। लेकिन उनके बेटे और अब के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई का वैसा रोल नहीं है।

मुजतबा खामेनेई एक ऐसे नेता हैं, जो सामने नहीं आते। मार्च में पद संभालने के बाद से उन्हें किसी ने देखा नहीं और उनकी आवाज भी सार्वजनिक रूप से नहीं सुनी गई। उनकी जगह अब ईरान की सेना, खासकर इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के बड़े कमांडर और उनसे जुड़े लोग, देश के अहम फैसले ले रहे हैं। सुरक्षा, युद्ध और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर वही सबसे ज्यादा असर रखते हैं।

एक पूर्व सलाहकार अब्दुल रजा दावरी के मुताबिक, मुजतबा देश को ऐसे चला रहे हैं, जैसे किसी कंपनी का डायरेक्टर होता है, लेकिन असली फैसले 'बोर्ड' यानी सेना के जनरल मिलकर लेते हैं। मुजतबा उनके सुझावों पर काफी निर्भर हैं और फैसले सामूहिक रूप से होते हैं।

मुजतबा ने अब तक कोई वीडियो या ऑडियो मैसेज नहीं दिया, क्योंकि वह कमजोर नहीं दिखना चाहते। उनकी तरफ से सिर्फ लिखित बयान जारी किए जाते हैं, जो ऑनलाइन डाले जाते हैं या टीवी पर पढ़े जाते हैं। उन तक संदेश पहुँचाने का तरीका भी बहुत अलग है। कागज पर लिखे संदेश लिफाफे में बंद करके एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक

मुजतबा खामेनेई का पैर काटने की नौबत, नकली पैर लगेगा



से जुड़े प्रस्ताव मुजतबा को दिखाए जाते हैं और उनकी राय ली जाती है।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC), जिसे 1979 की इस्लामी क्रांति की रक्षा के लिए बनाया गया था, समय के साथ बहुत ताकतवर हो चुका है। उसने राजनीति, उद्योग, खुफिया तंत्र और मिडिल ईस्ट के कई समूहों में अपना प्रभाव बढ़ाया है। पहले वह अली खामेनेई के आदेशों का पालन करता था, लेकिन अब हालात बदल गए हैं।

अली खामेनेई की मौत के बाद एक खाली जगह बनी, और उसी दौरान IRGC ने मुजतबा का समर्थन किया और उन्हें सुप्रीम लीडर बनाने में अहम भूमिका निभाई। अब वही असली ताकत बन गए हैं।

गाइर्स ने ही तय किए।

अमेरिका के साथ अस्थायी युद्धविराम और बातचीत की मंजूरी भी उन्होंने ही दी। यहां तक कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत के लिए गालिबाफ को आगे करने का फैसला भी गाइर्स ने लिया। पहली बार सेना के कई जनरल सीधे बातचीत टीम का हिस्सा बने। साथ ही, युद्ध में मिली बढ़त का इस्तेमाल उन्होंने देश के अंदर अपने विरोधियों को पीछे करने में भी किया।

राष्ट्रपति और उनकी कैबिनेट को लगभग किनारे कर दिया गया है और उन्हें सिर्फ देश के अंदर के काम, जैसे खाना, ईंधन और जरूरी सेवाएं चलाने पर ध्यान देने को कहा गया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची की भूमिका भी कम हो गई है और उनकी जगह संसद के स्पीकर गालिबाफ बातचीत में आगे आ गए हैं। मुजतबा खामेनेई इन फैसलों का विरोध शायद ही करते हैं और आमतौर पर जनरलों की बात मान लेते हैं। मुजतबा खामेनेई का सेना पर झुकाव इसलिए भी है, क्योंकि वह नए नेता हैं और उनके पास अपने पिता जैसी राजनीतिक और धार्मिक पकड़ नहीं है।

मुजतबा ने 17 साल की उम्र में ईरान-इराक युद्ध में हिस्सा लिया था और हबीब बटालियन में रहे

को झुकाना चाहता है। राष्ट्रपति पजशकियान और विदेश मंत्री अराघची बातचीत जारी रखना चाहते थे। उन्होंने युद्ध से हुए भारी आर्थिक नुकसान, जो करीब 300 अरब डॉलर बताया गया, और प्रतिबंध हटाने की जरूरत की बात कही। लेकिन जनरल्स की चली और बातचीत टूट गई।

अब हालात साफ नहीं हैं। ट्रम्प ने सीजफायर बढ़ाया है, लेकिन नाकाबंदी जारी रखी है और ईरान से अपनी शर्तों पर शांति प्रस्ताव देने को कहा है। यह भी साफ नहीं है कि IRGC अमेरिका के साथ समझौते के लिए कितनी रियायत देंगी, खासकर परमाणु कार्यक्रम को लेकर। ईरान में एक सख्त रुख वाला धड़ा भी है, जो किसी भी समझौते के खिलाफ है और मानता है कि लड़ाई जारी रखकर अमेरिका और इजराइल को हराया जा सकता है।

उनके समर्थक सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ लोग चाहते हैं कि मुजतबा खुद सामने आकर लोगों को संदेश दें, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ। तेहरान में रैलियों में लोग नारे लगा रहे हैं, “कमांडर, आदेश दो, हम तैयार हैं।”

संसद के स्पीकर गालिबाफ ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने कुछ सैन्य सफलता हासिल की है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह अमेरिका से ज्यादा ताकतवर हो गया है। उन्होंने कहा कि अब इन उपलब्धियों का इस्तेमाल बातचीत में करना चाहिए।

मुस्कुराइए, आप सम्मानित हैं

मुस्कुराइए, आप मंच पर है यह प्रमाण है कि आप मान्य हैं। गले में फूलों की माला, फूलों को नहीं पतावे क्यों लटके हैं, जैसे कई बार सम्मानित को भी नहीं पता होता। शॉल ओढ़ा दी गई ठंड नहीं पर फिर भी, सम्मान को अक्सर ढककर ही दिया जाता है। माइक कह रहा इनका योगदान अतुलनीय है योगदान मंच खोज रहा है, पर तालियाँ पहले ही उसे स्वीकार कर चुकी हैं। आपमें कोई खूबी हो तो अच्छी बात है न हो तो भी कार्यक्रम नहीं रुकता। क्योंकि यहाँ योग्यता नहीं, ओहदा गिना जाता है। आप सिर हिलाते मुस्कुराते आपकी यह सबसे सुरक्षित कविता है। शब्दों से ज़्यादा आज मौन सराहा जाता फोटो ली जाती है इतिहास वहीं रुक जाता अगले सम्मान तक। माला उतरती , किसी और का गला खोजती है, सम्मान घूमता रहता जैसे वही असली अतिथि हो। आप मंच से उतरते हल्के होकर नहीं, बस खाली होकर। कल फिर किसी और मंच पर आपका नाम पुकारा जाएगा, क्योंकि इस समय सम्मान सबसे सरस्ता है, और मुस्कान सबसे सुरक्षित तो मुस्कुराए आप सम्मानित हैं, कम से कम आज की तस्वीर में।

मां भारती के सपूत

वे ऐसे जियाले थे मां भारती के सपूत दिल में जोश , आँखों में आजादी का सपना था । वे रण - क्षेत्र में कूद पड़े दुश्मनों के दांत खट्टे करने सीने पे गो़लियाँ खाई , पर पीठ न दिखाई हंसते - हंसते फांसी पर झूल गये ' शहीद - ए - आजम ' कहलाए भारत की आन पर वे सर्वस्व लुटा गये ।

तृषित गर्मी

जाने क्यों ? तृषित गर्मी ने , चुन रखे हैं आँचल में अंगारे कुपित हो गयी प्रकृति और सब डूब रहे ग्रह-चौंद-सितारे मौसम का है चक्र निराला और निराली हर अपेक्षाएँ माना गर्मी में तपन - अगन है , पर हों थोड़ी सीमाएँ भू पर खत्म हो रही ऊर्जा , जरा संभालो सूरज बाबा ऊर्जा तुमसे छीनेंगे , हैं ईंसानों की यही योजनाएँ अभी तो पारा बहुत चढ़ा है , उपाय सुझाओ,कैसे उतारें जाने क्यों ? तृषित गर्मी ने , चुन रखे हैं आँचल में अंगारे कुपित हो गयी प्रकृति और सब डूब रहे ग्रह-चौंद-सितारे वर्षा दी,अंबुद दादा से , क्या गर्मी हो गयी तुम्हारी कुट्टी मनुहार करो तो मानेंगे , हो जायेगी तृप्त प्यासी जगती ये मौसम सारे बंधे चक्र में , अब कौन यहाँ कबड्डी खेले हम भी सदी में गर्मी माँगें और माँगें गर्मी में सदी परेशान सभी हैं जीव जंतु अब आओ आरती वर्षा उतारें जाने क्यों ? तृषित गर्मी ने , चुन रखे हैं आँचल में अंगारे कुपित हो गयी प्रकृति और सब डूब रहे ग्रह-चौंद-सितारे माना स्वार्थी हो गये हैं हम , पेड़-पौधों से बनाई हमने दूरी ताकतवर ईंसानों के आगे , जंगल की नहीं चलती मजबूरी कट गये हैं सारे जंगल झरने की , सरगम अब हुई पुरानी ईंसानों की इस राजनीति ने, विक्वशांति को नहीं दो मंजूरी भविष्यमालिका सच कहती है,पहले ईंसान खुद को सुधारे जाने क्यों ? तृषित गर्मी ने , चुन रखे हैं आँचल में अंगारे कुपित हो गयी प्रकृति और सब डूब रहे ग्रह-चौंद-सितारे

प्यार

एहसासों के रंग में डूबा प्यार का आभास हो तुम। इस तपती गर्मी में जानम, मेरे लिए मधुमास हो तुम।

गुणगान करूँ कैसे तेरा। जीवन की सांस हो तुम। प्राणों में जो तुम ही बसते, मेरे दिल के पास हो तुम। जिस्म मेरा है जान हो तुम। दिल मेरे में अरमान हो तुम। जीती हूँ यही आशा लेकर, मैं हूँ धरती आसमान हो तुम। जब से युगों की शुरुआत हुई। तुझसे ही मेरी मात हुई। बिसात बिछी थी जीवन नैया। पतझड़ भी था बरसात हो तुम। राजा थे या रानी थे। सिर्फ़ एक कहानी थे। जीवन सफल गुजरा हमेशा, हम हमेशा स्वाभिमाना थे। दिन गुजरा रातें भी गुजरी। कितनी ही बरसातें गुजरी। अपने ही घर रहे हम हरदम। चाहे कितनी बातें गुजरीं। आहों दुखों का काम नहीं है। अपना जीवन हराम नहीं है। दुआओं की सौगातें लेकर, कौन कहे हमें आराम नहीं है। दुनिया में एक मिसाल है हम। जलती हुई एक मशाल है हम। हमेशा रौशन जीवन रहा है। अपनी जोड़ी में कमाल है हम।

जिंदगी

मेरे गम को भूला न सकू तेरे आँसू को भूल न सकू प्यार की ये टूटती कडी जिंदगी की हसीन यादे मेरे गम को मरहम लगाये । जिंदगी जी ले जरा खुल के हस ले जरा चार दिन की है जिंदगी खुल के हस ले जरा गम रहेगे , आँसू रहेगे फिर भी जीना पड़ेगा गम मे भी हसना पड़ेगा सपने होते पल भर के उनसे नाता न जोडना आज खुल के हस ले जरा ।।

अनुबँध

अनुबँध प्यार का था या अधिकार का था, आज तक समझ न पाये दाम व्यापार सा था। दिल लगाने की सजा कैद जीवन सार था, न निगला गया, न उगला गया ऐसा फँसा लाचार था। मनमौत बनाया जा जिसे दिल का किया शिकार था, देह में कौंटे चुभो गया बस टूटा हुआ श्रृंगार था। आज अनुबँध सात फेरों का चकाचौंध में लगे साकार सा, चार दिन नहीं चल सका तलाक फैशन बेशुमार सा।।

तुझे पाने की...

तुझे पाने की जिद थी अब भुलाने का ख्वाब है ना जिद पूरी हुई और ना ही ख्वाब मेरी हर सांस के संग मीत तेरा नाम नाम आता है मूसलसल आंख का आंसू गजल के काम आता है करूं मैं कितनी भी कोशिश न भूलेगी वफ़ा तेरी भूलतो है वफ़ा तो इश्क़

काव्य कुंज

पर इल्जाम आता है मेरी माला के दानों में है मेरे प्रेम का धागा कहीं भी तू रहे चाहे तेरा पैगाम आता है पलकें उठाई तो यह क्या शून्य चलता रहा मुझी में कैद अंधकार मुझे पाने की.. लुगा ले जोर वक्त की गर्द न धुंधलेगी कभी मूरत तेरे और मेरे बीच वक्त खुद को नाकाम पाता है जेहन में मुस्कराते हो मचल उठते मेरे अरमां मचलते हैं ये अरमां तो बड़ा आराम आता है हसरतें थी रुक जाए पल ठहर जाए शाम कर भी क्या सकता हूँ तूने अपना सोचा सुख साथ मेरे सिर्फ अजब तुझे पाने की ...

मेरी तू

तू मेरी जान है हूँ तेरी जान मैं, तू है इज़्ज़त मेरी तेरा सम्मान मैं। आ गई छोड़कर सारी दुनिया की तू, मैंने क्या कह दिया था तेरे कान में। तू है अफ़सर बड़ी मैं भी कुछ कम नहीं गुस्ताख़ी न करना मेरी शान में। या उसे भूल जा या भुला दे मुझे दो तलवारें रहेंगी न एक म्यान में। देखना तिरछी नज़रों से वाजिब नहीं तीर सीधा करो फिर रखो कमान में। कहती हो भूल जाओ कैसे,भूलूँ तुम्हें रहती दिन रात हो तुम मेरे ध्यान में। जा रही छोड़कर कुछ निशानी तो दो दिल मेरा तो रख लिया अपने सामान में।

वोट डालने जाना है

मिला है तुम्हें ये प्रमुख अधिकार, करो इसे पूर्णतया तुम स्वीकार, अपना श्रेष्ठतम फ़र्ज़ निभाना है, अवश्य ही वोट डालने जाना है । देश की प्रगति का है मुख्य आधार, मुलाकात हो गहन सोच विचार, अपने एक वोट की कीमत जानो, महत्वपूर्ण है चयन करना ये मानो । अपेक्षाओं को त्याग सहयोग जरूरी, कर्तव्य है तुम्हारा, नहीं कोई मजबूरी, नव विकसित भारत निर्माण कर्मयोग, रआनंदरू कल निर्माण में दो सहयोग । एकता में है सुनो अद्भुत शक्ति, राष्ट्र की तस्वीर को बदल सकती, पाया हमने ये स्वतंत्र मताधिकार, मत करो इसको यूँ तुम बेकार । बहुमूल्य है समझो एक-एक वोट, दो जाकर सहर्ष शौघ अपना वोट, ताकि भविष्य हो सबका सुंदर बेहतर, राष्ट्र सेवा योगदान हो यूँ बढ चढ़कर ।

मजदूर दिवस

माना यह युग है मशीनों का, पर फिर भी पड़ती हर कदम हमें जरूरत तुम्हारे कर्मठ हाथों का खेत की मेड़ों पर अब भी फावड़े तुम्हारे चलते हैं । खर पतवार करने को स्वच्छ, तुम्हारे ही हाथ चलते हैं लाख क्रेन चले इमारतों में पर बिना तुम्हारे ईंट कहाँ सज पाते हैं । हमने जो अंबार बनाया, धीरज दुरांधमय कचड़ों का घर घर की देहरी पर जा स्वच्छ तुम्हीं तो करते हो । कचड़ावाला का संबोधन पाकर भी दु:खी नहीं तुम होते हो क्या कोयला क्या हीरा अपने कर्मठ हाथों से खोद तुम्हीं तुम लाते हो । तुम्हारे हाथों के सेवा बिन वन उपवन, फल फूल मनोहर जग में कहाँ खिल पाते हैं मजदूर नहीं, तुम हो श्रम के देवता

तुम हो विश्वकर्मा और अन्नदाता । तुम्हारे कर्मठ हाथों में, जो है सेवामय स्पंदन

लोह-खंड से निर्मित मशीनों में कहाँ भरा वो अपनपन । तुम्हारे श्रम से गिरे स्वेद कणों का सदा सम्मान हम करते हैं तुम्हारी सेवा के प्रतिदान में सादर प्रणाम हम करते हैं ।।

हे ईश्वर

मेरे बेटे के लिए हे ईश्वर, इन हाथों को वह शक्ति दे, कि वे उन लड़ाइयों को जीत सकें जिन्हें मैं लड़कर हार गया, इन हाथों को वह शक्ति दे, कि वे उन युद्धों का आगाज कर सकें जिन्हें करने की चाह तो थी, पर साहस न जुटा सका... इन उँगलियों को वह हुनर दे, कि वे उन तस्वीरों को उकेर सकें जिन्हें मैं बनाना चाहता था, पर बना न सका इन आँखों को वह दृष्टि दे, कि वे उन सपनों को देख सकें जिन्हें मैं देखना चाहता था, पर देख न सका... उसे वह भाग्य दे, कि वह उन सपनों को साकार कर सके जो मैंने देखे तो थे, पर जो कभी सच न हो सके हे ईश्वर, कृपया मुझे एक और मौका दे, वह सब करने का जो मैं चाहता था पर कर न सका आमीन!

श्रेष्ठ

महान वह जो गरज को पीना जानता हो दुश्मनों के साथ भी दोस्त की तरह रहना जीना जानता हो जो मौके पर अपने होठों को सीना जानता हो सुंदरता हो न हो, सादगी में रहना जानता हो खुरशू हो न हो, महकना जानता हो, मुलाकात हो न हो, संवाद करना जानता हो, समझाने की कोशिश करना जानता हो, समस्या का समाधान ढूँढना जानता हो। दर्द संकल्प के साथ तपस्या करना जानता हो, विषम परिस्थितियों में लड़ने का जज्बा जानता हो। उम्मीद की किरण हमेशा बनाना जानता हो श्रेय मिले या न मिले अपने श्रेष्ठ देना जानता हो। कथनी में काम, करनी में ज़्यादा विश्वास रखता हो कथनी में काम, करनी में ज़्यादा विश्वास रखता हो ।

अभावों से जूझते मासूम सवाल

ढाबे के बतनों को घिसते घिसते, उनकी नन्ही मासूम हथेलियां सख्त हो गई हैं, अभावों से जूझते बचपन की मासूमियत, न जाने कितने ही मासूम सवालों में उलझ गई हैं। पेट की आग बुझाते बुझाते,पप रहित सरलता, न जाने कब कठोरता में बदल सी गई है। निरपराध-निष्पाप जीवन की छवि, छल कपट और चालाकी से भर गई है। निदोष भोलापन अब कुटिलता में बदलने लगा है, दोष रहित शांत मन अब कलांत-आक्रांत होने लगा है। अनगिनत सवालों के ढेर पर खड़ा, बेकसूर बचपन,अब बोझिल सा लगने लगा है। खुरदरी हथेलियों की दरकती लकीरें, सुनहरे मासूम ख्वाबों को बिखेरनी लगी हैं। बस एक मासूम सा सवाल हमेशा खड़ा रहता है सामने, क्यों कुदरत ने पेट की भूख बनाई है? क्यों उदरगर्न ने बुझे हुए मन को शूलसाया है? क्यों नन्हें मासूमों को सजा याफ़ता बनाया है? समाज के कदावर कष्टदायी और मेहरबान, आजादी का अमृत महोत्सव तो खूब मनाया, अब इन मासूमों के जीवन का राग बसंत भी सजाओ, इनकी आंखों में भी सुनहरे ख्वाब बसाओ।।

मेरे दिल का एक कोना

मेरे दिल का एक कोना आज भी खाली है जिसमें मैं और मेरा बचपन साथ बसते हैं , मेरे दिल पे दस्तक वैसे तो बहुत लोगों ने दी पर,उस खाली कोने को कोई खू तक नहीं पाया । मैं अपने दिल के उस खाली कोने से अक्सर घंटों बातें किया करती हूँ, मैं उन सारी पुरानी यादों में जाकर उसी में खुद को खो देना चाहती हूँ । वो बचपन मुझे आज भी गुदगुदाता है मेरे बोझिल मन को आज भी सहलाता है, क्षणभर के लिए मैं सब कुछ भूल जाती हूँ ख्वाबों में ही सही पर, उसे हंसकर गले लगाती हूँ । मेरे दिल का एक कोना आज भी खाली है इस खाली कोने के वाग का कोई नहीं मालो है, यहाँ सिर्फ मैं और मेरा बचपन बसते हैं, जहां हमेशा ही दोनों साथ हंसते और साथ रोते हैं।

बंगाल खुद को फिर से गढ़ रहा....!

बंगाल की 'धरती' आज कुछ और कहती है, सदियों की 'चुपुपी' जैसे अब टूटती रहती है। इस हवा में घुल रही है एक नवद-सी पुकार, यूँ 'डर के साए' से निकल रहा है हर विचार। अब ये शब्द नहीं रुकते होंठों की दीवारों में, यहाँ सच की गूंज है हर गली-हर बाजारों में। निडर होकर बढ़ते हैं कदम मतदान की ओर, जन-जन लिख रहा अपना भविष्य चहँओर। 93 की गीता भट्टाचार्य भी खड़ी है कारग में, उनकी आँखों में सपने हैं, विश्वास अपार है। वो चाहती अब बदलाव, नई सुबह की आस, जहां 'न्याय की रोशनी' हो हर एक के पास। यह बंगाल आज खुद को फिर से गढ़ रहा है, हर दिल यहाँ अपने हक के लिए लड़ रहा है। ये सिर्फ चुनाव नहीं, ये जनता की आवाज है, एक नए कल के आगाज का यहीं अंदाज़ है।

डिजिटल हरियाली के बीच

आज फिर नीले आकाश-से इस आभासी जगत में हरित स्वप्नों की लहर उठी है— शब्दों में लिपटी संवेदनाएँ, चित्रों में सजती करुणा की छाया। किसी ने अंगुलियों से अंकुरित कर दिए वन, किसी ने सूखी नदियों को कविता में बहा दिया, पर धरती— अब भी चुप है, उसकी प्यास अनकही ही रह गई। हैशटैगों की हरियाली में वह मुस्काई भी—पर जैसे कोई विरहिणी, जिसकी आँखों में अश्रु ही संचित हो। यहाँ शब्दों का उत्सव है, पर वहाँ— मिट्टी की गोद में अभी भी प्रतीक्षा है एक सच्चे स्पर्श की। हमने कहा— “कम करें कागज, त्यागें प्लास्टिक”, पर क्या हमने अपने भीतर के उपभोग को कभी त्यागा? धरती माँ— वह नहीं चाहती शब्दों के दीप, उसे चाहिए मन का एक नन्हा संकल्प, एक मौन, सच्चा परिवर्तन। वह पुकारती नहीं, बस प्रतीक्षा करती है— कि कोई उसके पावों पर अपने व्यवहार का मरहम रख दे।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग

AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080



सुंदर दिखने की होड़ में बेरंग होती जिंदगी : संदीपा धर

एक्टर्स को ब्यूटी ट्रीटमेंट और मापदंड सैट करने के लिए दर्शकों के लिए प्रेरणा बनने का दबाव नहीं लेना चाहिए



हम सब कभी न कभी इससे गुजरे हैं। हम एक ऐसे बिंदू पर पहुंच जाते हैं, जहां हम जो हैं वह कभी काफी नहीं होता। अगर हमारे बाल परफैक्ट हैं, तो हम अपनी स्किन को ठीक करने की कोशिश करते हैं। संदीपा धर ने 2010 में मनोरंजन जगत में कदम रखा जब वह फिल्म 'इसी लाइफ में नजर आई। पहली ही फिल्म से लोकप्रियता पाने वाली संदीपा को फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा समय हो गया है।

हाल ही में उसकी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' रिलीज हुई। फिल्म में उसने नैना का किरदार अदा किया है । सिनेमाघरों के बाद अब यह फिल्म ओ.टी. टी. पर स्ट्रीम हो रही है। संदीपा का कहना है कि इसमें उसका रोल ऐसा है जो अपने लुक्स को लेकर असुरक्षित है। उसके अनुसार रियल लाइफ में भी लड़कियों को अपने लुक्स को लेकर काफी असहज महसूस करवाया जाता है।

संदीपा ने कहा कि नैना, एक परफैक्ट महिला होने के बावजूद शादी के बाद अपना सैल्फ-कॉन्फिडेंस खो देती है। वह डाइटिंग के कभी न खत्म होने वाले चक्कर में फंसी हुई है, जिसका हम सभी अपनी जिंदगी में कभी न कभी हि र सा रहे हैं। व ह

सुंदर दिखने और खुद को साबित करने की कोशिश कर रही है । उसे लगातार कुछ करने की जरूरत है ताकि वह बेहतर दिख सके और उसकी तारीफ हो सके। उसने आगे कहा कि आज के समय में यह बहुत प्रासंगिक है। हम सब सोशल मीडिया देख रहे हैं, जहां लोग उम्र बढ़ने को रोकने, बेहतर निखार पाने और पेट की चर्बी कम करने के लिए तरह-तरह के उत्पादों का प्रचार कर रहे हैं । हम सब कभी न कभी इससे गुजरे हैं । हम एक ऐसे बिंदू पर पहुंच जाते हैं, जहां हम जो हैं वह कभी काफी नहीं होता। अगर हमारे बाल परफैक्ट हैं, तो हम अपनी स्किन को ठीक करने की कोशिश करते हैं। अगर स्किन ग्लो कर रही है, तो हम कुछ और चाहते हैं जो सुंदर हो।

कलाकारों को नहीं लेना चाहिए दबाव संदीपा ने साफ किया कि एक्टर्स को ब्यूटी ट्रीटमेंट और मापदंड सैट करने के लिए दर्शकों के लिए प्रेरणा बनने का दबाव नहीं लेना चाहिए। उसने कहा, “मुझे नहीं लगता कि एक्टर्स को ऐसे फैसलों के लिए जिम्मेदार होना चाहिए। हां, हम रोल मॉडल बन सकते हैं और अपनी कोशिशों से लोगों को प्रेरित कर

सकते हैं लेकिन इसका दबाव नहीं लेना चाहिए।

‘चुंबक’ में बहुत पागलपन है संदीपा ने अपनी अगली वेब सीरीज ' चुंबक ' को लेकर कहा कि जिन्होंने 'खिचड़ी' और 'साराभाई' की कहानियां लिखी हैं, उन्होंने ही ' चुंबक ' की कहानी भी लिखी है। तो आप समझ सकते हो कि यह कितनी 'मैड कॉमेडी' है। मैंने ऐसा शो कभी नहीं किया है। यह बहुत फनी है। मैं बहुत खुश हूं कि यह शो कर रही हूं। इसमें बहुत पागलपन है। मैं एक्साइटेट हूं कि कब यह शो आए और आप लोग इसे देखो। इस सीरीज में दिग्गज अदाकारा नीना गुप्ता भी है । संदीपा ने बताया कि काम और किस्मत को लेकर नीना का नजरिया उस पर गहरा असर छोड़ गया । उसके साथ बातचीत को याद करते हुए उसने बताया कि वह मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने एक छोटी-सी फिल्म की थी, और उसी वजह से उन्हें 'बधाई हो' मिली। वह कहती हैं कि कौन-सी फिल्म, कौन और कहाँ देखेगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। तुम्हारा काम एक एक्टर के तौर पर, बस अच्छा काम करते रहना है ताकि कहीं न कहीं कोई तुम्हें देखे और सोचे कि शायद तुम किसी और प्रोजेक्ट के लिए सही हो।

बुरी औरत बनना आसान नहीं : गौरी अग्रवाल

टी.वी. शो 'जाने अनजाने हम मिले' में कीर्ति का किरदार निभा रही गौरी अग्रवाल ने अपने रोल में आए बड़े बदलाव को काफी चुनौतीपूर्ण बताया । शुरुआत में पाँजिटिव और प्यारी लड़की के रूप में



दिखाई गई कीर्ति अब पूरी तरह नैगेटिव किरदार में बदल चुकी है। इस बदलाव ने गौरी को अभिनय के नए आयाम सिखाए हैं। गौरी ने बताया कि किरदार में यह बड़ा बदलाव उसके लिए बहुत डिमांडिंग रहा है। उसने कहा, कीर्ति 'शुरुआत बहुत पाँजिटिव

थी, लेकिन धीरे- धीरे उसका किरदार ग्रे शेड्स में बदलता गया और अब वह पूरी तरह नैगेटिव हो चुकी है। मुझे लगातार खुद को याद दिलाना पड़ता है कि जो कुछ कीर्ति कर रही है, वह उसके किरदार की सोच के अनुसार है, भले ही व्यक्तिगत रूप से मुझे उन कार्यों को सही ठहराना बहुत मुश्किल लगे। गौरी ने कुछ मुश्किल सीन्स का जिक्र करते हुए बताया, “कुछ सीन ऐसे थे जहां मेरी अपनी नैतिकता मुझे रोक रही थी। उन सीन्स को पूरी शिद्दत से करना मेरे लिए भावनात्मक रूप से बहुत कठिन था । एक अभिनेत्री के रूप में मुझे समझना था कि मैं सिर्फ अपने किरदार के सफर को आगे बढ़ा रही हूं। ऐसे सीन शारीरिक और भावनात्मक दोनों तरह से काफी चुनौतीपूर्ण रहे, क्योंकि मुझे यह सुनिश्चित करना होता था कि सीन असली लगे, लेकिन किसी भी हद को पार न करें। उसने कहा, “नैगेटिव किरदार बनने के बाद जिस हद तक जाती है, रीत और राघव को नुकसान पहुंचाना, गुस्सा दिखाना या खुद को चरम की स्थिति में ले जाना, यह सब बहुत खतरनाक है। इन सब चीजों को समझना मेरे लिए काफी मुश्किल रहा है।

रकुल प्रीत सिंह ने रेड ड्रेस में ढाया कहर, ग्लैमरस फोटो वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो रेड ड्रेस पहने नजर आ रही हैं. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर चर्चा में हैं. आजकल वो फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं. हर एक फोटोज में उनका अंदाज देखने लायक है.

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस पहने दिख रही हैं. रकुल प्रीत सिंह ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का मेकअप किया हुआ है. इसके साथ उन्होंने गोल्डन इयररिंग्स पहने हैं. हाई पोनीटेल में वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं. रकुल ने

फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'रूप दी रानी को लगता है, लाल ड्रेस चुरा लेती है... है ना?' उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. रकुल कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं. उनकी कालिताना अदाओं ने फैस को दीवाना बना दिया है.

'पति पत्नी और वो दो' एक्ट्रेस का ये अंदाज देखने लायक है. हर एक तस्वीर में उनकी खूबसरती साफ झलक रही है. रकुल प्रीत सिंह का ये स्टनिंग लुक लोगों को खूब पसंद आ रहा है. यूजर्स अलग-अलग तरह के कमेंट्स कर उनपर प्यार लुटा रहे हैं. वर्क फ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह जल्द ही फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आएंगी. आयुष्मान खुराना, सारा अली खान और चामिका गब्बी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. ये फिल्म 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

कौन हैं 'भूत बंगला' की एक्ट्रेस भावना पानी? अक्षय कुमार की फिल्म में 'नौकरानी रागिनी' बनकर छाई



भावना पानी एक एक्ट्रेस, मॉडल और डांसर हैं. उनका जन्म 6 जुलाई, 1985 को मुंबई में हुआ था. उनके पिता उदय शंकर पानी एक एड फिल्म प्रोड्यूसर हैं. उनकी छोटी बहन देवना पानी फैशन डिजाइनर और एक्ट्रेस हैं. भावना ने मिथिबाई कॉलेज से साइक्लॉजी और फिलॉसफी में बीए किया है. इसके बाद उन्होंने ओडिसी डांस की ट्रेनिंग केलुचरण महापात्र से ली और कथक उन्होंने बिरजू महाराज से सीखा. इसके अलावा उन्होंने टेरेन्स लुईस की कंटेम्पररी डांस कंपनी से भी कंटेम्पररी डांस की ट्रेनिंग ली है.

इन फिल्मों में नजर आई भावना पानी भावना पानी कोई नई एक्ट्रेस नहीं हैं. वो पिछले 25 साल से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं. उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2001 में आई कन्नड़ फिल्म 'युवराज' से की. इसी साल भावना ने बॉलीवुड का रुख किया. उनकी पहली हिंदी फिल्म 'तेरे लिए' थी. इसके बाद भावना 'लव मैरिज', 'निनागोसकरा', 'दिल विल प्यार व्यार', 'निनु चूडाका नेनुदलेनु', 'वेदुम', 'गिली गिली अट्टा', 'द बिग फैट सिटी', 'फ्रांड सैयां', 'स्पेस मॉम' और 'मैडम ड्राइवर' जैसी फिल्मों में नजर आईं.

भावना पानी ने जीता थिएटर अवॉर्ड बता दें कि भावना पानी पिछले दस साल से ज्यादा समय से सहारा इंडिया के प्रोडक्शन 'भारती' में मुख्य नर्तकी के तौर पर परफॉर्म कर रही हैं. इसके अलावा उन्होंने 'सो मेनी सॉक्स' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का 'महिला एक्सीलेंस इन थिएटर अवार्ड' भी जीता है.



पलक तिवारी ने शेयर की 'जी लेंगे' साँग की पहली झलक



इस गाने की खास बात यह है कि इसमें मशहूर रैपर और गायक किंग के साथ भार्ग और रुआके जैसे कलाकारों ने अपनी आवाज दी है। गाने के टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह एक इमोशनल ट्रैक होगा, जो प्यार और उम्मीद की कहानी बर्‍या करेगा। पलक तिवारी की यह डेब्यू सीरीज अमेजन प्राइम पर 8 मई से स्ट्रीम हो रही है। हालाँकि, सीरीज में पलक के किरदार को लेकर अभी तक सस्पेंस बना हुआ है।

सीरीज की कहानी चंडीगढ़ के रैप कल्चर और स्ट्रीट राइवेलरी पर आधारित है। यह बदले और महत्वाकांक्षा की दास्तान है, जिसमें एमसी बदनाम (किंग) और ओजी (शिवांकित) आमने-सामने हैं।

हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित सीरीज 'लुकखे' का निर्माण ओपटीमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले विपुल डी. शाह और राजेश बहल ने किया है। कहानी और स्क्रिप्ट अग्रिम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने लिखी और प्रोड्यूस की है। आठ-एपिसोड की सीरीज में राशि खन्ना और किंग मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही पलक तिवारी और लक्षवीर सिंह सन भी अहम रोल में हैं। इसके अलावा, सीरीज में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा जैसे कलाकार भी अहम रोल में शामिल हैं।

‘डर नहीं, दहशत हूँ’

शाहरुख खान की ‘किंग’ की रिलीज डेट हुई कंफर्म



दहाड़ को साम्राज्य को हिला दे। किंग 24.12.2026 को आ रही है।' साड़ी की गई छोटी सी झलक में शाहरुख खान एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं। जहां वो कहते हैं, 'डर नहीं, दहशत हूँ'।

सिद्धार्थ आनंद ने किया है निर्देशन

शाहरुख खान के साथ 'पठान' का निर्देशन कर चुके

सिद्धार्थ आनंद ही 'किंग' का निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म की कास्ट पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

इसके अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी, जैकी श्राफ, अभय बर्मा और राघव जुयाल समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पिछले साल हुई थी 'किंग' की घोषणा फिल्म के शीर्षक का खुलासा पिछले साल 2 नवंबर को शाहरुख खान के जन्मदिन पर हुआ था। तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। पहले लुक में शाहरुख खान ग्रे कलर के बालों में एक्शन अवतार में नजर आ रहे थे। फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का रोमांटिक एंगल होगा।

क्यों दिवंगत ओम पुरी पर भड़के अन्नू कपूर? कहा- ‘ उन्होंने मेरी बहन को धोखा दिया, जिंदगी बर्बाद कर दी’



वो किसी के पति बने और पति बनने के बाद उन्होंने एक महिला को धोखा दिया। यहीं से सब गलत हो गया, और मैं उसी महिला का भाई हूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'वो 10 साल पहले ही चले जाते, मेरी बहन ने उनका ख्याल रखा। जब

हाल ही में एक बातचीत के दौरान अन्नू कपूर ने दिवंगत अभिनेता ओम पुरी के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने एक तरफ जहां ओम पुरी को बेहतरीन अभिनेता बताया, वहीं दूसरी तरफ उन पर अपनी बहन की जिंदगी बर्बाद करने का आरोप भी लगाया।

ओम पूरी ने की थी अन्नू कपूर की बहन से शादी अन्नू कपूर की बहन सीमा कपूर की शादी ओम पुरी से हुई थी, लेकिन कुछ ही महीनों में यह रिश्ता टूट गया। वजह यह थी कि सीमा को पता चला कि ओम पुरी ने उन्हें धोखा दिया है। हालाँकि, बाद में जब ओम पुरी अपनी जिंदगी के आखिरी दौर में थे, तब दोनों फिर से जुड़े।

उन्होंने मेरी बहन को धोखा दिया अन्नू कपूर ने कहा, 'ओम पुरी एक शानदार अभिनेता थे। उनके जैसा कोई बड़ा अभिनेता नहीं था, लेकिन वो अलग बात है।

उनका शरीर कमजोर और नाजुक हो गया, तब वो वापस आए। मैं अपनी बहन से भी नाराज और दुखी था।'

मेरी बहन की जिंदगी बर्बाद हो गई अन्नू कपूर ने कहा कि अब उन्होंने पुरानी बातों को पीछे छोड़ दिया है। 'आज ओम पुरी साहब नहीं हैं, उनका बेटा है। मैं आज भी उनके बेटे और उनकी एक्स-वाइफ नंदिता के लिए भगवान से दुआ करता हूँ। मुझे किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन अफसोस है कि मेरी बहन सीमा कपूर की जिंदगी बर्बाद हो गई, उनके पास कोई सहारा नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर मैं उन बातों को बताने लंगू, तो मामला बिगड़ जाएगा, क्योंकि मेरे अंदर का भाई सामने आ जाएगा। ओम पुरी मुझसे डरते भी थे, क्योंकि मैं साफ-सफ़ बोलता हूँ। मुझे डर नहीं लगता। मैं बेबस था, मैं कुछ कर नहीं सका।' बता दें कि एक्टर ओम पुरी का निधन 2017 में हुआ था।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने मूसेवाला के पिता और पंजाब डीजीपी को दी धमकी

चंडीगढ़, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के जीवन पर आधारित वेब सीरीज 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को भारत सरकार ने बैन कर दिया है। इसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया है। सरकार के इस फैसले के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से कई प्रमुख नेताओं और पंजाब के डीजीपी गौरव यादव को जान से मारने की धमकी दी गई है। ये धमकी सोशल मीडिया के जरिए दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई हैं और पूरे मामले

कहा- अब ग्रुप पैसे की मांग नहीं करेगा, बल्कि गोलियों से हिंसाब



की जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने धमकी भरे संदेशों और कॉल्स की पुष्टि की। दरअसल केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शुक्रवार को 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' मामले में ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 को पत्र लिखा है। अब यह ग्रुप पैसे की मांग नहीं करेगा, बल्कि इसके बजाय गोलियों और बमों से हिंसाब बराबर किया जाएगा।

होने की करने की अनुमति देते हैं, तो इससे समाज में अपराध बढ़ने की आशंका बढ़ सकती है, जिसे देखते इसे रिलीज नहीं करने का फैसला ही सही रहेगा।

मंत्रालय ने अपने पत्र में ओटीटी प्लेटफॉर्म को जारी किए गए दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि गैंगस्टर और अपराधियों पर आधारित वेब सीरीज को रिलीज नहीं करने है, जिससे युवा गुमराह हो सकते हैं। इसके अलावा पंजाब पुलिस ने भी सूचित किया है कि अगर इस तरह के वेब सीरीज को रिलीज करने की अनुमति दी जाती है, तो इससे सामाजिक व्यवस्था तहस नहस हो सकती है। अपराधियों को महिमामंडित करना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं है।

पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने अपने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफॉर्म पर यह पत्र साझा भी किया है। इस पत्र में ओटीपी प्लेटफॉर्म से इस वेब सीरीज को रिलीज नहीं करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, पत्र में 27.10.2025 को जारी ओटीटी दिशानिर्देशों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि अगर हम इस तरह के वेब सीरीज को रिलीज

बीजेपी में शामिल होते ही राघव चड्ढा को मिला नया मुद्दा

अरविंद केजरीवाल को घेरने की तैयारी

है। इसकी कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। अगर दिल्ली चुनावों में आम आदमी पार्टी की हार का कोई एक मुख्य कारण है, तो वह यही है।

शीशमहल पर आप कार्यकर्ता लोगों को क्या जवाब देंगे

आगे कहा कि मुझे आश्चर्य है कि आम आदमी पार्टी के बचे हुए कुछ अच्छे कार्यकर्ता सड़कों और मोहल्लों में लोगों द्वारा शीश महल के बारे में पूछे जाने पर क्या प्रतिक्रिया देंगे। आम आदमी पार्टी को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और इस बारे में सोचना चाहिए।

अपने इस्तीफे के फैसले के बारे में बताते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि अगर हर सच्चा देशभक्त जिसने अपने खून-पसीने से आम आदमी पार्टी को सींचा और बड़ी उम्मीदों के साथ इसमें शामिल हुआ, या तो आम आदमी पार्टी छोड़ चुका है या छोड़ रहा है।



परवेश साहिब सिंह ने भी केजरीवाल को घेरा था

दरअसल, आज सुबह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के मंत्री और भाजपा नेता परवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा था कि दिल्ली के धुरंधर मनदाताओं द्वारा शीश महल से बेदखल किए जाने के बाद, वे पंजाब चले गए, जहां उन्होंने एक बंगला हथिया लिया

और अब उन्होंने लोधी एस्टेट में शीश महल 2 तैयार कर लिया है। राघव चड्ढा ने केजरीवाल पर अपने नए हमले में जिन तस्वीरों का जिक्र किया था, वे केंद्र द्वारा केजरीवाल को आम आदमी पार्टी के प्रमुख के रूप में आवंटित टाइप VII बंगले की थीं। भाजपा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इन तस्वीरों को दिखाते

हुए केजरीवाल पर बंगले में उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाएं बनवाने के लिए “निजी धन” का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

आम आदमी पार्टी बोली-पिन्टेरेस्ट से डाउनलोड की गई

हालांकि, आम आदमी पार्टी ने इन तस्वीरों को “फर्जी, झूठी और निराधार” बताकर खारिज कर दिया है। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशो ने तो यहां तक कह दिया कि केजरीवाल को बदनाम करने के लिए ये तस्वीरें Pin-terest से डाउनलोड की गई थीं। ये उनके लिए कैसे हालात हो गए हैं। जब उन्हें केजरीवाल जी के खिलाफ कुछ नहीं मिलता, तो वे इंटरनेट से ली गई तस्वीरों के आधार पर झूठे दावे कर रहे हैं। परवेश वर्मा जी: आप इसके बजाय एआई का इस्तेमाल कर सकते थे, चोरी इतनी जल्दी पकड़ी नहीं जाती।

स्कूल बस के खलासी को हाइवा ने रौंदा, मौत

बच्चों को बस में बैठाते समय हुआ हादसा, बच्चे सुरक्षित बचे

पलामू, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र के कधवन गांव में शनिवार सुबह एक स्कूल बस खलासी की हाइवा की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के वक्त खलासी बच्चों को बस में बैठा रहा था। इस हादसे में स्कूली बच्चे सुरक्षित बच गए।

मृतक की पहचान रेहला निवासी 60 वर्षीय नूर मोहम्मद के रूप में हुई है। घटना के बाद उन्हें एमआरएमसीएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शव का पोस्टमॉर्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया

विशेष सत्र बुलाना जनता के पैसे की बर्बादी राज्य सरकार के पास कोई मुद्दा नहीं, कांग्रेस ने कहा- इसका पैसा बीजेपी से वसूल करो

रायपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पास नहीं हुआ। जिसके बाद बाद छत्तीसगढ़ में विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। इस सत्र में महिला विधेयक पर चर्चा के साथ सरकार विपक्षी पार्टी कांग्रेस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाएगी। निंदा प्रस्ताव को लेकर विपक्ष ने सरकार पर हमला बोला है और विशेष सत्र को जनता के पैसे की बर्बादी बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस विपक्ष की निंदा के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाना जनता के धन की बर्बादी है। यह भाजपा के अलोकतांत्रिक चरित्र को भी दर्शाता है। बैज ने कहा कि विधानसभा के एक दिन के सत्र पर लाखों रुपये खर्च होगा तथा सैकड़ों मानव कार्यदिवस की बर्बादी होगी। इस



सत्र को बुलाने के लिए सरकार के पास कोई ठोस कारण भी नहीं है, सरकार के पास कोई महत्वपूर्ण विधेयक भी नहीं है और न ही कोई ऐसा राज्य के हित का विषय है जिस पर चर्चा कराने के लिए विधानसभा के विशेष सत्र को आहूत करने की जरूरत है। दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक तौर पर कहा कि हम विपक्ष कांग्रेस की निंदा करने विधानसभा का विशेष सत्र बुलायेंगे। मतलब विपक्ष की निंदा के अलावा मुख्यमंत्री के पास इस

रिश्वतखोर वेयरहाउसिंग मैनेजर के घर 'बरसे' नोट सीबीआई ने बरामद किए 21 लाख कैश और गहने



हजारीबाग/रांची, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के चूसखोर मैनेजर के खिलाफ सीबीआई (सीबीआई) का शिकंजा कसता जा रहा है। एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रहे हाथों गिरफ्तार किए गए मैनेजर के अलावा सीबीआई ने छापेमारी की, तो अधिकारी भी दंग रह गए। आरोपी के आवास से भारी मात्रा में नगदी

वहां से भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, संपत्ति के दस्तावेज और कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी जप्त किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी को रांची की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीबीआई अब इस मामले के डिजिटल सबूतों को खंगाल रही है, ताकि भ्रष्टाचार की गहराई का पता लगाया जा सके।

इस मामले में केवल मैनेजर ही अकेला खिलाड़ी नहीं लग रहा है। सीबीआई के अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जांच के दौरान सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी) के कुछ अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी गंभीरता से जांच की जा रही है।

सलूंबर में 5 मासूमों की मौत पर भड़के टीकाराम जूली

उदयपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शनिवार को सलूंबर जिले के लसाड़िया पहुंचे। जूली ने लालपुरा गांव का दौरा किया, जहां पिछले दिनों एक रहस्यमयी बीमारी से 5 मासूम बच्चों की मौत हो गई थी। जूली ने कहा- अगर समय रहते बेहतर इलाज मिलता, तो शायद इन मासूमों की जान बच सकती थी।

लालपुरा गांव में परिजनों से मिलने के बाद टीकाराम जूली ने मौके से ही स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव गायत्री राठौड़ को फोन लगाया। जूली ने सचिव को पूछा- लसाड़िया में बच्चों की मौत के मामले में अब तक क्या कार्रवाई हुई है और क्या विभाग को इस रहस्यमयी बीमारी के असली कारणों का पता चल पाया है?

जूली ने स्वास्थ्य विभाग में खाली पड़े पदों का मुद्दा पर कहा-





कब आएगा रिलायंस जियो का आईपीओ?

मुकेश अंबानी ने दिया बड़ा अपडेट, टूटेंगे लिस्टिंग के सारे रेकॉर्ड!



नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जियो प्लेटफॉर्मस के बहुप्रतीक्षित आईपीओ को लेकर बड़ा संकेत दिया है। अंबानी ने इसे एक निर्णायक मील का पत्थर बताते हुए संकेत दिया है कि कंपनी भारत के अब तक के सबसे बड़े आईपीओ की तैयारी में तेजी से आगे बढ़ रही है। अंबानी ने कंपनी की अर्निंग्स रिलीज के दौरान कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम जियो प्लेटफॉर्मस की लिस्टिंग की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। यह इसकी यात्रा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होगा।'

बाजार के जानकारों के अनुसार, रिलायंस मई 2026 की शुरुआत में आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर दाखिल कर सकता है। इसमें वित्त वर्ष 2026 के पूरे आंकड़े शामिल किए जाएंगे।

180 अरब डॉलर (करीब 17 लाख करोड़ रुपये) के संभावित मूल्यांकन के साथ, यह आईपीओ लगभग 4 अरब डॉलर जुटा सकता है, जो इसे भारतीय इतिहास

'बाजार में अब नई डिजिटल पीढ़ी प्रवेश कर रही है',सेबी प्रमुख बोले- नियामकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । सेबी के 38वें स्थापना दिवस पर चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि संस्था की सबसे बड़ी ताकत उसकी विव्यवसनीयता है, जो वर्षों के सुधारों, मजबूत नियमन और निवेशकों के भरोसे से बनी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितताओं और तेजी से बदलती तकनीक के बावजूद भारतीय पूंजी बाजार मजबूती से आगे बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद रही।

सेबी ने भारतीय बाजारों को बदल दिया पांडे ने कहा कि भारत के बाजारों की यह मजबूती अचानक नहीं आई है। यह वर्षों से किए गए संस्थागत निर्माण, संतुलित नीतियों और मजबूत नियमकीय ढांचे का नतीजा है। इसी कारण वैश्विक उतार-चढ़ाव के दौर में भी देश में पूंजी निर्माण और निवेश गतिविधियां जारी हैं। उन्होंने कहा कि 12 अप्रैल 1988 को स्थापना के बाद से सेबी ने भारतीय बाजारों को पूरी तरह बदल दिया है। कभी खुले ट्रेडिंग सिस्टम और सीमित परदर्शिता वाले बाजार अब रियल-टाइम, तकनीकी आधारित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन चुके हैं। स्क्रीन बेस्ड ट्रेडिंग, डीमैट

भारत के कपड़ा निर्यात में आई गिरावट

35.8 अरब डॉलर पर पहुंचा कारोबार, जीटीआरआई ने बताई वजह



नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । भारत के टेक्सटाइल और गारमेंट निर्यात को वित्त वर्ष 2025-26 में झटका लगा है। थिंक टैक जीटीआरआई की रिपोर्ट के मुताबिक, देश का कुल वस्त्र और परिधान निर्यात 2.2 प्रतिशत घटकर 35.8 अरब डॉलर पर आ गया। रुपये के लिहाज से भी निर्यात में 2.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरावट लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों में देखने को मिली। कौन्टन टेक्सटाइल निर्यात 3.9 प्रतिशत घटा, रेडीमेड गारमेंट्स में 1.4 प्रतिशत की कमी आई और कारपेट

निर्यात 5.3 प्रतिशत नीचे रहा। केवल हैंडक्राफ्ट सेक्टर ने मामूली राहत दी, जहां 1.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि रुपये और डॉलर के आंकड़ों में अंतर एक गहरी आर्थिक चिंता को दर्शाता है। उनका कहना है कि भारत घरेलू मुद्रा में अधिक निर्यात करता दिखाई दे रहा है, लेकिन वैश्विक बाजार से डॉलर कम कमा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मैन-मेड टेक्सटाइल में रुपये के हिसाब से 3.6 प्रतिशत की बढ़त दिखाई, लेकिन डॉलर में यह 0.8 प्रतिशत घट गया। इसी तरह गारमेंट निर्यात रुपये में 2.9 प्रतिशत बढ़ा, जबकि डॉलर में 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई।

क्या है गिरावट की वजह?

श्रीवास्तव के अनुसार, इसका

मतलब यह है कि निर्यात में जो बढ़त दिख रही है, वह प्रतिस्पर्धा बढ़ने से नहीं, बल्कि रुपये के कमजोर होने की वजह से है। वास्तविक स्थिति यह है कि भारत वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी खो रहा है या नए बाजारों में विस्तार नहीं कर पा रहा है। खासकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों में यह चिंता ज्यादा गंभीर है, जहां भारत को तेजी से आगे बढ़ना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह सरकार के लिए एक अहम नीति प्रश्न है कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना , लॉजिस्टिक्स सुधार और व्यापार सुगमता जैसे कदमों के बावजूद निर्यात वृद्धि क्यों नहीं हो रही। रिपोर्ट में सरकार से मांग की गई है कि वह तुरंत उन बाधाओं की पहचान करे, जो टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों की निर्यात क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत किया। यह स्वागत दोनों देशों के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 27 अप्रैल को हस्ताक्षर होने से पहले किया गया। मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, क्योंकि इससे भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल 2026 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर होने से पहले यह दौरा निर्यात वृद्धि क्यों नहीं हो रही। रिपोर्ट में सरकार से मांग की गई है कि वह तुरंत उन बाधाओं की पहचान करे, जो टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों की निर्यात क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।

भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2047 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है : जितेंद्र

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2047 तक 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया की शीर्ष तीन जैव-अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगी।

मंत्री ने आईआईटी रुड़की में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि जीव विज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था से संचालित इक्कीसवीं सदी 'भारत की सदी' होगी। एक आधिकारिक बयान में मंत्री के हवाले से कहा गया है कि नीतिगत सुधारों, मजबूत संस्थागत



स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारत की जैव-अर्थव्यवस्था 2014 में 10 अरब डॉलर से बढ़कर आज 165 अरब डॉलर से अधिक हो गई है, जो लगभग 18 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। उभरती आर्थिक शक्ति के रूप में, भारत 2030 तक 300 अरब डॉलर तक पहुंचना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि जैव प्रौद्योगिकी स्टार्टअप की संख्या लगभग 50 से बढ़कर 11,000 से अधिक हो गई है। उन्होंने 50,000 करोड़ रुपये के कोष

पूर्ण तकनीकी क्षमता की ओर अग्रसर है। उभरती प्रौद्योगिकियों में हुए विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय क्वांटम मिशन ने निर्धारित समय से पहले ही कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर ली हैं, वहीं भारत ने कई महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वैश्विक

वित्त-वाणिज्य

5 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी

एनवीडिया ने बनाया इतिहास, रिलायंस जैसी बन जाएंगी 26 कंपनियां

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । अमेरिका की दिग्गज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एनवीडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मार्केट डेटा के मुताबिक एनवीडिया ने 5 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप का आंकड़ा पार कर लिया। इसके साथ ही यह कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। अब एनवीडिया का मार्केट कैप भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकाबले करीब 26 गुना ज्यादा है। शुक्रवार को शेयर बाजार में एनवीडिया के शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। एनवीडिया का शेयर 4.3% उछलकर 208.27 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

याहू फाइनेंस के अनुसार एनवीडिया की मार्केट वैल्यू एक समय 5.12 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई थी। कंपनी ने महज एक सत्र में अपनी बाजार कीमत में 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा जोड़े। साल 2022 के अंत से अब तक एनवीडिया के शेयरों में 14 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है।

एआई बूम से मिली जबरदस्त रफ्तार

एनवीडिया की यह तेज बढ़त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग की वजह से आई है। कंपनी के जीपीयू चिप्स दुनिया भर में एआई मॉडल को द्रुत करने और चलाने में इस्तेमाल हो रहे हैं। एनवीडिया ने एक साल से भी कम समय पहले 4 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप का स्तर पार किया था। अब कंपनी ने नया रिकॉर्ड बनाते हुए \$5 ट्रिलियन का आंकड़ा छू लिया है।

चिप सेक्टर में धूम

एनवीडिया की इस सफलता के पीछे केवल कंपनी का प्रदर्शन नहीं, बल्कि पूरे चिप सेक्टर में आई मजबूती है: इंटरल का धमाका: इंटरल के शेयरों में 24% का उछाल आया, जो साल 1987 के बाद से इसका



सबसे अच्छा प्रदर्शन है। एएमडी और क्वालकॉम: दिग्गज चिप मेकर एएमडी के शेयर 14% और क्वालकॉम के11% चढ़े। एआई की भारी मांग: गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी कंपनियां अपनी एआई क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एनवीडिया के चिप्स पर अरबों डॉलर खर्च कर रही हैं।

कैसे शुरू हुआ सफर?

शुरुआत में एनवीडिया वीडियो गेमिंग और ग्राफिक्स प्रोसेसिंग के लिए जीपीयू बनाती थी। 1990 के दशक में कंपनी ने कई सफल ग्राफिक्स प्रोसेसर लॉन्च किए और बाद में माइक्रोसॉफ्ट के एक्सबॉक्स गेमिंग कंसोल के लिए हार्डवेयर कंट्रैक्टर भी हासिल किया।

आज एनवीडिया केवल गेमिंग ही नहीं, बल्कि डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग और अगली पीढ़ी के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर की रीढ़ बन चुकी है।

रिलायंस से 26 गुना बड़ी कंपनी

एनवीडिया का मार्केट कैप भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज से 26 गुना ज्यादा है। अभी रिलायंस का मार्केट कैप करीब 17.96 लाख करोड़ रुपये (करीब 191 अरब डॉलर) है। ऐसे में एनवीडिया का मार्केट कैप (5 ट्रिलियन डॉलर) रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकाबले करीब 26 गुना ज्यादा है। ऐसे में एक एनवीडिया में से 26 रिलायंस इंडस्ट्रीज बन सकती हैं।

प्रतिशत सालाना दर से बढ़ी हैं। प्राथमिक बाजार हर साल करीब 10 लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

डिजिटल पीढ़ी पर क्या बोले?

उन्होंने कहा कि बाजार में अब नई डिजिटल पीढ़ी प्रवेश कर रही है, जो जागरूक, तेज और तकनीक से जुड़ी हुई है। ऐसे में नियामकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि नवाचार को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन निवेशकों की सुरक्षा से कोई समझौता न हो। आने वाले समय की प्राथमिकताओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सेबी नियमों को सरल बनाने, कारोबार सुगमता बढ़ाने, तकनीक आधारित निगरानी मजबूत करने और गवर्नंस सुधारों पर काम जारी रखेगा। संस्था ई-ऑफिस सिस्टम, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल फोरेंसिक और एआई आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी क्षमता बढ़ा रही है। अपने संबोधन के अंत में पांडे ने कहा कि किसी संस्था की पहचान सिर्फ उसके वर्षों से नहीं, बल्कि उसकी विव्यवसनीयता से होती है। आने वाले वर्षों में सिर्फ नियमन नहीं, बल्कि दूरदृष्टि, बेहतर समझ और सामूहिक प्रतिबद्धता की जरूरत होगी।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते पर 27 को हस्ताक्षर, आर्थिक संबंधों में आगूी मजबूती

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत किया। यह स्वागत दोनों देशों के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 27 अप्रैल को

हस्ताक्षर होने से पहले किया गया। मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, क्योंकि इससे भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल 2026 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर होने से पहले यह दौरा निर्यात वृद्धि क्यों नहीं हो रही। रिपोर्ट में सरकार से मांग की गई है कि वह तुरंत उन बाधाओं की पहचान करे, जो टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों की निर्यात क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।



नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत किया। यह स्वागत दोनों देशों के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 27 अप्रैल को हस्ताक्षर होने से पहले किया गया।

मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, क्योंकि इससे भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल 2026 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर होने से पहले यह दौरा निर्यात वृद्धि क्यों नहीं हो रही। रिपोर्ट में सरकार से मांग की गई है कि वह तुरंत उन बाधाओं की पहचान करे, जो टेक्सटाइल और गारमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों की निर्यात क्षमता को प्रभावित कर रही हैं।



में फायदा होगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हम सोमवार को भारत के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करेंगे। एक वीडियो संदेश में लक्सन ने बताया कि इस समझौते से न्यूजीलैंड के निर्यातकों को भारतीय बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी, खासकर उन कंपनियों को जो नावों में इस्तेमाल होने वाले मरीन जेट सिस्टम बनाती हैं और जिन्हें 70 से ज्यादा देशों में भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि इस सौदे से व्यापार में आने वाली रुकावटें कम होंगी और दोनों देशों के बीच कारोबारी संबंध मजबूत होंगे।

भारत में 7 हफ्तों में पहली बार 106 मिलियन डॉलर का आया निवेश : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पिछले सप्ताह के दौरान 106 मिलियन डॉलर का शुद्ध निवेश (इनफ्लो) दर्ज किया गया है, जो पिछले सात हफ्तों में पहली बार सकारात्मक रहा है। एलाय कैपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, यह इनफ्लो पिछले छह हफ्तों में करीब 5 अरब डॉलर की निकासी (आउटफ्लो) के बाद आया है, जिससे संकेत मिलता है कि भारत-केंद्रित फंड्स से बिकवाली का दबाव धीरे-धीरे कम हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सप्ताहिक आउटफ्लो पहले के 1.2 अरब डॉलर के उच्च स्तर से घटकर करीब 180 मिलियन डॉलर रह गया है। इस बीच, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) ने रिकवरी में अहम भूमिका निभाई और इस हफ्ते 220 मिलियन डॉलर का निवेश आकर्षित किया, जबकि लॉन्ग-ओनली फंड्स में अभी भी लगभग 400 मिलियन डॉलर की निकासी देखी गई।

स्वतंत्र वार्ता,हैदराबाद

पेटाएम का दावा- ‘बिजनेस पर कोई असर नहीं’

मजबूती से आगे बढ़ रहा कारोबार

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां) । भारत की अग्रणी पेमेंट ऐप पेटाएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) ने कहा कि पेटाएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर भारतीय रिजर्व बैंक की कार्रवाई का कंपनी पर कोई वित्तीय या व्यावसायिक प्रभाव नहीं पड़ेगा. कंपनी ने दोहराया कि बैंकिंग यूनिट के साथ उसका कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता या जोखिम नहीं है.



नोएडा स्थित इस दिग्गज फिनटेक कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पीपीबीएल स्वतंत्र रूप से काम करता है और इसमें पेटाएम का कोई बोर्ड या प्रबंधन हस्तक्षेप नहीं है. कंपनी ने स्पष्ट किया कि जैसा कि एक मार्च, 2024 को पहले ही बताया जा चुका है, कंपनी का पीपीबीएल के साथ कोई जोखिम या महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौता नहीं है. कंपनी द्वारा दी जाने वाली कोई भी सेवा पीपीबीएल के साथ साझेदारी में नहीं है. इसके अलावा, पीपीबीएल स्वतंत्र रूप से संचालित होता है. पेटाएम ने यह भी कहा कि कंपनी पर इसका कोई वित्तीय प्रभाव नहीं है, क्योंकि वह 31 मार्च, 2024 को ही पीपीबीएल में अपने निवेश को बटुे खाते में डाल चुकी है. कंपनी ने आगे स्पष्ट किया कि उसकी कोई भी सेवा पीपीबीएल से जुड़ी नहीं है और उसकी सहायक कंपनियां सहित सभी पेशकश

सामान्य रूप से काम कर रही हैं. पेटाएम ने कहा कि पेटाएम (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) और उसकी सेवाएं, बिना किसी रुकावट के चल रही हैं, और आगे भी निर्बाध रूप से जारी रहेंगी. इनमें पेटाएम ऐप, पेटाएम यूपीआई, पेटाएम गोल्ड और सहायक व सहयोगी कंपनियों की अन्य सेवाएं जैसे पेटाएम क्यूआर, पेटाएम साउंडबॉक्स, पेटाएम कार्ड मशीन, पेटाएम पेमेंट गेटवे और पेटाएम मनी आदि शामिल हैं. वैसे शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को पेटाएम को पेंटे कंपनी वन 97 कम्यूनिकेशन के शेयरों में 1.10 फीसदी की गिरावट देखने को मिली और शेयर 1,147.10 रुपए पर बंद हुआ. वैसे कारोबारी सत्र में कंपनी का शेयर 1,142.65 रुपए के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी गया. वैसे कंपनी का शेयर 1,159.55 रुपए के फ्लैट ओपन हुआ था. रेगुलेटरी एक्शन के बाद पेटाएम के आया बयान सोमवार को कंपनी के शेयरों में एक बार फिर से जान फ्रंक सकता है.

दैनिक पंचांग			
गृह गोचर शुक्र ३, बुध २, रविवार १२, शनि १०, मंगल ८, बुध ७, शनि ६, रविवार ५, शुक्र ४, मंगल ३, बुध २, शनि १			
गृह स्थिति शुक्र ३, बुध २, रविवार १२, शनि १०, मंगल ८, बुध ७, शनि ६, रविवार ५, शुक्र ४, मंगल ३, बुध २, शनि १			
तनूनाम समय शुक्र ३, बुध २, रविवार १२, शनि १०, मंगल ८, बुध ७, शनि ६, रविवार ५, शुक्र ४, मंगल ३, बुध २, शनि १			
विशेष शुक्र ३, बुध २, रविवार १२, शनि १०, मंगल ८, बुध ७, शनि ६, रविवार ५, शुक्र ४, मंगल ३, बुध २, शनि १			
राहुकाल शुक्र ३, बुध २, रविवार १२, शनि १०, मंगल ८, बुध ७, शनि ६, रविवार ५, शुक्र ४, मंगल ३, बुध २, शनि १			

आपका राशिफल	
शुभ मेघ चू,चे, चो,ला,ली, लू, ले,लो,अ,	आज आपके अत्यशिशिit रूप से खया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपको वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी गहरा प्रयत्न करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़तम या कम हो जाये लेकिन आपके धार्मिकों का निहाह पूरा न हो पाये ।
आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल को आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे । आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं ।	वृष ई, उ, ए, जो, वा, की, वू, वे, वो,
मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,	आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझें की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निष्पत्ति करें ।	कर्क ही, हू, ह्र, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,	आज आप बिना किसी कारण के ज़िंदी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रविये से आपको काफी सफलता मिलेगी । आपकी अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।
आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योंकि इससे न केवल आपकी वर्तमान स्थिति बल्कि आपने आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।	कन्या टो पा पी पुष ण ठ पे पो
तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,	आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा । गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी ।
आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिससे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे । लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें । कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है ।	वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, तो, या, यी, यु,
धनु ये, यो,भा, भी, भू था,फा, हा, भे	छोटी छोटी परेशनियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपकी इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकता की गतिविधियाँ आज बहुत हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति धरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी में काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चले । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कर और कर रहे हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी गतिविधियों का ध्यान देने की जरूरत है ।	मकर भो, जा, जी, खो, खु, खे, खो, गा, गी
कुंभ गु, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, दा,	आज का दिन गूँठों की स्थिति के कारण उलझन में डालने वाला रहेगा । आप किसी परेशान करने वाली समस्या के बारे में लगातार सोचते रहेंगे । लेकिन केवल सोचते रहने से कुछ समाधान हाथ न लगेगा । आप जैसा सोच रहे थे आज आपको उससे विपरीत सूचनाएँ मिलेंगी जिसके कारण आपको अपने पहले से सोचे हुए में बदलाव करना पड़ेगा ।
आपके अनिर्णयी की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है । परिहार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरूरत है । आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा । पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परेशान करेंगी और आप इन्हें सुलझाए बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।	मीन दी, दू,ध, झ, ज, दे, दो, चा,ची
श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र	



जयपुर में बोले उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन कैंसर के इलाज के लिए केंद्र सरकार गंभीर सीएम भजनलाल के कामों की सराहना



जयपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आज राजस्थान दौरे पर हैं। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन दिल्ली से वायुसेना के विशेष विमान से रवाना होकर सुबह 9 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने उपराष्ट्रपति की अगवानी की। इसके बाद

कहा कि केंद्र सरकार भी कैंसर के इलाज के लिए गंभीर है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसके इलाज के लिए ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने डे-केयर सेंटर बढ़ाए हैं, 450 से ज्यादा सेंटर पहले से ही ऑपरेशनल स्टेज में हैं।

एंटी कैंसर दवाओं को भी आयुष्मान आरोग्य में जोड़ा
उन्होंने कहा कि एंटी कैंसर दवाओं को भी आयुष्मान आरोग्य में जोड़ा जा रहा है। इस साल फरवरी से सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस तरह के कदम बदलाव का आधार बनते हैं। उपराष्ट्रपति ने राजस्थान में हो रहे काम के लिए सीएम भजनलाल शर्मा की सराहना की। साथ ही चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवरसर की भी तारीफ की।

उपराष्ट्रपति ने एक निजी अस्पताल के 23वें कैंसर सरवाइवर्स डे समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की। वहीं, विशिष्ट अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवरसर रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने

हाईकोर्ट में 39 जज एक साथ सुनवाई के लिए मौजूद अधिवक्ता नदारद, एक्टिंग चीफ जस्टिस ने जताई चिंता

जोधपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट में शनिवार (25 अप्रैल) को कार्य दिवस बनाए जाने पर एक बार फिर से विवाद रहा. हाईकोर्ट में आज महीने के चौथे शनिवार को कार्य दिवस घोषित किया गया है. हालांकि, हर शनिवार की तरह आज भी अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार किया. दरअसल, हाईकोर्ट में महीने के पहले और चौथे शनिवार को कार्यदिवस घोषित किया गया है. अधिवक्ता इस फैसले का विरोध कर रहे हैं. आज सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत भी जयपुर में हैं. इस दौरान जयपुर में 39 न्यायाधीश एक साथ हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए मौजूद रहे. आज विशेष रूप से 12 न्यायाधीशों की चार लार्जर बेंच का गठन भी



किया गया है.

पिछले साल लिया गया था फैसला

हालांकि आज कोर्ट में न्यायाधीश तो उपस्थित रहे, लेकिन अधिवक्ता नदारद रहे. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने इस पर चिंता भी जताई. बता दें कि पिछले साल

12 दिसंबर 2025 को राजस्थान हाईकोर्ट की फुल कोर्ट की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि जनवरी से हाईकोर्ट हर महीने के दो शनिवार खुला रहेगा. इससे वर्षभर में 24 दिन अतिरिक्त काम हो सकेगा और लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी.

लगातार बढ़ रहा है केस का दवाब
फुल कोर्ट बैठक में यह माना गया कि अदालतों में लगातार बढ़ते मामलों के दवाब को देखते हुए न्यायिक समय का विस्तार आवश्यक हो गया है. महीने के दो शनिवार को हाईकोर्ट के खुलने से न केवल लंबित मामलों की संख्या कम होगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी, तेज और समयबद्ध बनेगी.

किराए पर घर लो और फिर कब्जा कर लो पनपी नई गैंग का पुलिस ने किया खुलासा, 4 अरेस्ट

जयपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी में किराए पर मकान लेकर उन्हें हड़पने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। जयपुर पुलिस ने इस गिरोह के 35 वर्षीय कथित मास्टरमाइंड, कृष्ण कुमार स्वामी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह शहर के कम से कम चार अलग-अलग इलाकों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है। यानी कई जगह मकान मुख्य आरोप और उसके गिरोह के लोगों ने कब्जा लिए हैं। यह गिरफ्तारी मानसरोवर थाना पुलिस द्वारा की गई है। डीसीपी (दक्षिण) राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि इस गिरोह के तौर-तरीकों का खुलासा होना पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी है। जांच में पता चला है कि आरोपी ने मानसरोवर के अलावा शिवा पथ, महेश नगर और शहर के अन्य हिस्सों में भी प्रॉपर्टी पर कब्जा करने की वारदातों को अंजाम दिया है। अब तक इस

गिरोह के खिलाफ चार मामले दर्ज किए जा चुके हैं। कैसे काम करता था यह गिरोह? पुलिस के अनुसार, इस गैंग का काम करने का तरीका बेहद संगठित और कानूनी दांव-पेचों से भरा है। यहां जानिए स्टेप बाइ स्टेप गिरोह की साजिश का सच किराए पर मकान लेना: गिरोह के सदस्य पहले पीजी या हॉस्टल चलाते के बहाने आलीशान मकानों को किराए पर लेते थे। रेंट एग्रीमेंट तैयार करते समय ये अपने ही साथियों को गवाह के तौर पर इस्तेमाल करते थे। अवैध सब-लेटिंग: असली मालिक को बताए बिना, ये आरोपी इसके बाद जाली दस्तावेजों के जरिए उसी प्रॉपर्टी को किसी तीसरे पक्ष को किराए पर दे देते थे। फिर रचते हैं ये साजिश: आरोपी नए किरायेदारों से मोटा किराया शिपा पथ, महेश नगर और शहर के अन्य हिस्सों में भी प्रॉपर्टी पर कब्जा करने की वारदातों को अंजाम दिया है। अब तक इस

सिर्फ पैर तोड़ना ताकि वो शादी करने नहीं आ सके! होने वाले दूल्हे की 10000 में दी सुपारी, ज्यादा पीटा तो हुई मौत

कोटा, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। इश्क और नफरत के बीच बुनी गई एक ऐसी साजिश जिसने दो परिवारों की खुशियां मातम में बदल दीं। कोटा के इटावा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक मोहोर ने ही अपने होने वाले पति को रास्ते से हटाने के लिए खूनी खेल रचा। महज 10 हजार रुपए की सुपारी देकर युवक के पैर तुड़वाने की कोशिश की गई, लेकिन बदमाशों की बेरहमी ने उसकी जान ले ली। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी युवती और उसके नाबालिग भाई सहित हमलावरों कोपकड़ने की जानकारी सामने आ रही है। पुलिस को युवती पर पहले से ही शक था। मृतक के परिवार ने युवती और उसके भाई पर आरोप लगाए थे।

शादी की दहलीज पर खूनी साजिश
दौलतपुरा निवासी धर्मेन्द्र की शादी 1 मई को मुंठाना निवासी



जोधराज सेन की बेटी से होनी तय हुई थी। घर में मंगल गीत गाए जा रहे थे, 27 अप्रैल को लग्न का दस्तूर था। लेकिन दुल्हन के मन में कुछ और ही चल रहा था। वह इस शादी से खुश नहीं थी और धर्मेन्द्र को नापसंद करती थी। शादी रकवाने के लिए उसने खौफनाक रास्ता चुना।

पुलिस पूछताछ में जो खुलासा हुआ, उसने खाकी को भी चौंका दिया। युवती ने इटावा के बदमाश मुकुट को महज 10 हजार रुपए की सुपारी दी थी। उसका मकसद

धर्मेन्द्र को जान से मारना नहीं, बल्कि उसके पैर तुड़वाना था ताकि वह 1 मई को मंडप में बैठने लायक न रहे और शादी टल जाए।

भाई बना 'मुखबिर', मंदिर के रास्ते में बिछाया जाल

22 अप्रैल को युवती ने योजना के तहत धर्मेन्द्र को कपड़े और गहने खरीदने के बहाने बुलाया। साजिश में युवती ने अपने नाबालिग भाई को भी शामिल किया। खरीदारी के बाद भाई ने धर्मेन्द्र को जलेश्वर महादेव मंदिर से पानी लाने के बहाने गौण्डी की ओर भेजा। उधर, युवती का भाई लगातार बदमाशों को धर्मेन्द्र की लोकेशन दे रहा था। जैसे ही धर्मेन्द्र गौण्डी और गणेशगंज के बीच पहुंचा, मुकुट गोचर और उसके साथियों ने धर्मेन्द्र पर से अर्थां उठने की इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

अत्यधिक रक्तस्राव बना मौत

का कारण

हमले के दौरान बदमाशों ने धर्मेन्द्र के पैरों पर इतने वार किए कि उसकी नस कट गई। गंभीर हालत में उसे कोटा रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी सांसे थम गईं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुजीत शंकर ने बताया कि हमलावर मुकुट खुद भी घायल हुआ है, जिसका इलाज पुलिस निगरानी में चल रहा है।

जांच का दायरा और पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अब मामले में अन्य शामिल चेहरों की तलाश कर रही है। युवती और उसके भाई की गिरफ्तारी के बाद अब यह जांच की जा रही है कि क्या इस साजिश में परिवार के किसी और सदस्य की भी मौन सहमति थी। फिलहाल, एक घर की डोली उठने से पहले ही दूसरे घर से अर्थां उठने की इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड आरोपी सरजीत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत



सीकर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित गैंगस्टर राजू ठेहट हत्याकांड में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। हत्याकांड में शामिल आरोपी सरजीत सिंह को देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। बता दें कि जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने इससे पहले उज्जयवाड़ हाईकोर्ट ने आरोपी की भूमिका को गंभीर मानते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद आरोपी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे एडवोकेट नमित सक्सेना के अनुसार, सरजीत सिंह पर इस पूरी हत्या की साजिश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है। जांच में सामने आया था कि सरजीत ने गैंगस्टर रोहित गोदारा के इशारे पर काम किया था। उसने हत्याकांड को अंजाम देने वाले शूटर्स को मोबाइल फोन और अन्य संचार साधन उपलब्ध करवाए थे, ताकि वे आपस में और अपने आकाओं से संपर्क साध सकें। पुलिस ने हत्याकांड के महज 10 दिन बाद ही सरजीत को दबोच लिया था। राजू ठेहट अपने घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान हरियाणा और राजस्थान के शूटर वहां पहुंचे। उन्होंने राजू ठेहट को झांसे में लेने के लिए सेल्फी लेने का बहाना बनाया। जैसे ही राजू उनके करीब आया, शूटर्स ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों ने लगभग 25 राउंड गोलीयां दागीं, जिससे मौके पर ही राजू ठेहट की मौत हो गई। इस गोलीबारी की चपेट में आने से एक बेगुनाह नागरिक की भी जान चली गई थी, जो अपनी बेटी का कॉलेज में एडमिशन करवाने सीकर आए थे। राजू ठेहट की हत्या के पीछे राजस्थान और हरियाणा की कुख्यात गैंग्स का हाथ था। हत्या के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे रोहित गोदारा ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली थी।

निजी कबाड़ गोदाम में भीषण आग का तांडव दो मासूमों समेत चार की दर्दनाक मौत

नीमराना, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र नीमराना में एक हृदयविदारक हादसा हुआ। मोहलडिया गांव स्थित एक निजी कबाड़ गोदाम में भीषण आग लगे गई। इस अग्निकांड की चपेट में आने से चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जिनमें दो पुरुष और दो मासूम बालिकाएं शामिल हैं। घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया। निजी कबाड़ गोदाम में बीती दोपहर के समय अचानक लपटें उठने लगीं। कबाड़ में प्लास्टिक, रबर और अन्य ज्वलनशील पदार्थ होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही

खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता और जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए नीमराना, बहरोड़ और आसपास की औद्योगिक इकाइयों से दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाया। घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक जान-माल का भारी नुकसान हो चुका था। नीमराना उपखंड अधिकारी महेन्द्र सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस भीषण आग में चार लोगों की असामयिक मृत्यु हो गई। मृतकों में दो पुरुष और दो छोटी बालिकाएं शामिल हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी लोग गोदाम परिसर के भीतर ही मौजूद थे और आग

इतनी तेजी से फैली कि उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उनकी शिनाख्त और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि गोदाम के मालिक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि गोदाम के संचालन के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र और अग्निशमन सुरक्षा उपकरण वहां मौजूद थे या नहीं। इस दर्दनाक हादसे ने औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मोहलडिया और आसपास के ग्रामीणों में भारी रोष और दुख देखा जा रहा है।

कंबल से 'नोटों की बारिश' करने वाला छोटे कद का 'तांत्रिक' गिरफ्तार

पैसा डबल करने का झांसा देकर लोगों से की ठगी अजमेर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरोह का मुख्य सरगना पिछले 10 सालों से इसी तरह लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहा था. इस गिरोह की असलियत सामने आने के बाद पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है. तंत्र-मंत्र से नोट बरसाने का पाखंड और भोले-भाले लोगों से पैसे ऐंठने के बाद मौत का ड्रामा, यह मामला किसी फिल्मी सीन से कम नहीं लगता. डीग में ऐसी ही ठगी का भंडाफोड़ हुआ है, जहां आरोपी खुद को तांत्रिक बताते हुए पैसा दोगुना करने का झांसा देता था. इस एवज में उसने कई लोगों से ठगी कर ली. पुलिस ने शांति और संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है. कामां थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने इनके पास से ठगी गई पूरी राशि 4 लाख 35 हजार रुपए बरामद कर ली है. डीग एसपी शरण कान्वले ने बताया कि अजमेर निवासी राजेंद्र सिंह सोलंकी को गिरोह ने फोन कर झांसे में लिया था. उसे खेडली जल्लो क्षेत्र के एक सुनसान जगह पर बुलाया गया. वहां गिरोह ने पहले से ही एक पटकथा तैयार कर रखी थी. एक छोटे कद का व्यक्ति 'तांत्रिक' बनकर बैठा था, जिसने तंत्र-मंत्र और कंबल से नोट बरसाने का पाखंड किया. इसके बाद पैसे ठगने का खेल शुरू होता था.



पचपदरा रिफाइनरी अग्निकांड क्या हैक किया गया था हाईटेक कंट्रोल सिस्टम? ‘साइबर अटैक’ एंगल से तफ्तीश में खुलेंगे राज !



हाल ही में जांच एजेंसियों की एक उच्च स्तरीय टीम ने पचपदरा रिफाइनरी के घटना स्थल का दौरा किया। टीम की मौजूदगी में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के विशेषज्ञों ने जले हुए मलबे, तार और कंट्रोल पैनल के नमूने लिए हैं। बारीकी से निरीक्षण:

एफएसएल की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या आग किसी केमिकल रिएक्शन से लगी या फिर शॉर्ट सर्किट जानबूझकर किया गया था। नमूनों की जांच: लिए गए नमूनों की जयपुर स्थित लैब में भेजा गया है, जिसकी रिपोर्ट

अगले 48 घंटों में आने की उम्मीद है। रिफाइनरी को देश का सबसे आधुनिक और हाईटेक प्रोजेक्ट बताया गया था, जहाँ सब कुछ ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनियट्स से संचालित होता है। कंट्रोल यूनियट्स की जांच: साइबर एक्सपर्ट्स यह देख रहे हैं कि क्या हादसे के वक्त कंट्रोल सिस्टम को 'हाइजेक' किया गया था? डेटा फॉरेंसिक: रिफाइनरी के डिजिटल लॉग्स और सर्वर डेटा को खंगाला जा रहा है ताकि यह पता चल सके कि क्या किसी बाहरी आईपी एड्रेस (IP Address) ने सिस्टम में सेंध लगाते

की कोशिश की थी। सुरक्षा एजेंसियों का डेरा: सूत्रों के अनुसार, आगामी 2 से 3 दिनों तक राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां रिफाइनरी क्षेत्र में ही डेरा डालकर इस 'साइबर एंगल' की कड़ी से कड़ी जोड़ेगी। राजस्थान पुलिस के आला अधिकारी लगातार केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के संपर्क में हैं। तकनीकी और सुरक्षा से जुड़े हर छोटे पहलू की रिपोर्ट सीधे गृह विभाग को भेजी जा रही है। बालोतरा और पचपदरा के आसपास के नेटवर्क टावरों का डेटा भी डंप किया जा रहा है ताकि संदिग्ध मोबाइल गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

मेरी गारंटी है कि बेनीवाल फिर लोकसभा नहीं पहुंच पाएंगे दिलावर बोले- वो खुद को ताकतवर समझ रहे हैं

जयपुर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कभी एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहे बेनीवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जुबानी हमला बोला. निकाय चुनाव से पहले उनके इस बयान से नागौर में सियासी हलचल बढ़ गई है.

राजस्थान सरकार में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हनुमान बेनीवाल पर सियासी हमला बोला है. दिलावर ने आरएलपी सुप्रीमो के लिए कहा कि जिनको सहारा दिया जाता है, वो लोग खुद को ही ताकतवर समझने लगते हैं. दिलावर ने यहां तक कहा कि बेनीवाल जनता का भरोसा खो चुके हैं और अब कभी चुनाव नहीं जीत पाएंगे. नागौर की सियासत में इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. पंचायत-निकाय चुनावों



से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने के कयास लग रहे हैं.

बीजेपी को आंख दिखाते लगे बेनीवाल
कैबिनेट मंत्री ने कहा, रनागौर लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने हनुमान बेनीवाल को समर्थन दिया था. क्योंकि वे पहले भाजपा से विधायक रह चुके हैं और उन्हें संसद



तक पहुंचाना लक्ष्य था. लेकिन सांसद बनने के बाद बेनीवाल भाजपा को ही आंखें दिखाते लगे. फिर कांग्रेस के समर्थन से चुनाव जीते और कांग्रेस को भी निशाना साधने लगे.

बेनीवाल की विश्वसनीयता पर सवाल- दिलावर
बेनीवाल को आड़े हाथों लेते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस तरह के व्यवहार से हनुमान बेनीवाल ने जनता का विश्वास खो दिया है और उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया है. उन्होंने दावा किया कि अब बेनीवाल कभी भी लोकसभा चुनाव जीतकर संसद नहीं पहुंच पाएंगे.

दक्षिण मध्य रेलवे दक्षिण मध्य रेलवे ११ ११ ११	
ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in)	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सी/सी-1/एससीसी/सी/पीएलसी/एसवाई/एससी/सी/सी-IV/एससी केंद्रस्थान आगगाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरू, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।	
क्रम सं१, एनआईटी नं.- इपीएस-08-सीएच-सी-एससी-2026, दि.17-04-2026, कार्य विवरण: दक्षिण मध्य रेलवे -दमरू (केंद्रस्थान आगगाइजेशन)-पुदूर डिवीजन-आंध्र प्रदेश राज्य के दक्षिण मध्य रेलवे -दमरू, गुंटु डिवीजन में एरुल्लेम-नायडू बाया अमरावती के बीच नई बीजी रास्ता सहित तत्संबंधित किमी 3.525 से किमी 24.800 (21.275 किमी) तक एरुल्लेम (छोड़कर) तथा कोतापल्ली हॉल्ट (छोड़कर) स्टेशनों के बीच नई बीजी लाइन के निर्माण के लिए अभियंतिकी, प्राण्य & निर्माण (इंजीनी) का ठेका। अनुमानित मूल्य: ₹.415,69,28,092.98, अग्रपुनः ₹. 8,31,38,600.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 30 (तीस) महीने, खोलने की तिथि: 18-06-2026 के 15.00 बजे क्रम सं२, एनआईटी नं.- 19-सीएच-सी-एससी-2026, दि.22-04-2026, कार्य विवरण: एएससीआर केंद्रस्थान आगगाइजेशन- निजामाबाद जंक्शन, निजामाबाद बायापुल, पुणेड्ड बायापुल & प्रस्तावित कोतापल्ली-बजरग (पीपीटीएल-ननवेडोबी सेक्शन) पर प्रस्तावित बाईड स्वरूप/ तत्संबंधित ट्रैक जोड़ने का कार्यों के लिए, 60 केंजी/60 ईआओए 260 ग्रेड रेलन की एटी वेडिंग पोर्शन्स & इन-सिस्टु की आपूर्ति, एटोमेटिक टैपिंग थिम्बल, 3 पीसेज मोलड (फ्रिकान वाइड) सहित सिंगल शाट कुविबल डिस्क तथा क्रम्पेट एवर ट्रेडोल/एलसीबी प्रि होटींग तकनीक युक्त तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य: ₹.1,24,22,058.00, अग्रपुनः ₹. 2,48,500.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने, खोलने की तिथि: 14-05-2026 के 15.00 बजे क्रम सं३, एनआईटी नं.- 20-सीएच-सी-एससी-2026, दि.22-04-2026, कार्य विवरण: एएससीआर केंद्रस्थान आगगाइजेशन- फासबाद स्टेशन पर सीआरएस आबाजवेयन्स, प्लाफार्मरॉजिंग के अग्रगण्य सहित डिस्ट्रुक्ट कार्यों का निपटारा तथा एएसएस/पी.वे/सीओएफ का निर्माण तथा निजामाबाद स्टेशन पर अन्य भवनों (निर्माण कार्य) के श्रव्य मुद्राड्ड (एम्बुड)-मेडलब (एम्बुड) सेक्शन के बीच ट्रैक दोहरीकरण प्रस्तावित का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य: ₹.11,92,17,083.02, अग्रपुनः ₹.23,84,400.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महीने, खोलने की तिथि: 15-05-2026 के 15.00 बजे क्रम सं४, एनआईटी नं.- 21-सीएच-सी-एससी-2026, दि.22-04-2026, कार्य विवरण: एएससीआर केंद्रस्थान आगगाइजेशन- निम्न हेतु अतिरिक्त स्थान सर्वेक्षण (एरुल्लेम-फादलन लोकेशन बवे) कनका (1) गुड्ड (18 किमी) पर बायापुल लाइन का फुलपलस (11) विजयवाडा-निडाडोल्लू (127 किमी) के बीच सीटें & ब्रेकेट लाइन का फुलपलस (11) कल्लाराह & गुड्ड (715 किमी) के बीच पलस & ब्रेकेट लाइन का फुलपलस। अनुमानित मूल्य: ₹.25,69,20,000.00, अग्रपुनः ₹. 51,38,400.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महीने, खोलने की तिथि: 14-05-2026 के 15.00 बजे क्रम सं५, एनआईटी नं.- 22-सीएच-सी-एससी-2026, दि.20-04-2026, कार्य विवरण: एएससीआर केंद्रस्थान आगगाइजेशन- विजयवाडा डिवाइजन: एरुल्लेम-1-छोडल स्टेशन बाई के समीप एएससी नं.365 के स्थान पर नया (आरओबी) पुल के उपर सड़क का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एरुल्लेम-3-बादापुली स्टेशन बाई के समीप एएससी नं.369 के स्थान पर नया (आरओबी) पुल के उपर सड़क का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एरुल्लेम-3-बादापुली स्टेशन बाई के समीप एएससी नं.376 के स्थान पर नया (आरओबी) पुल के उपर सड़क का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एरुल्लेम-4-एलसी नं.365 (केएम ऑफिस के पास, छेडोल बाई) तथा एलसी नं.369 (बादापुली बाई के पास) पर, पब्लिक क्रॉसिंग के निर्माण तथा (एएससीबी) पूर ओवर ब्रिज का प्रस्तावित निर्माण कार्य। एरुल्लेम-5-केएम ऑफिस का निर्माण। अनुमानित मूल्य: ₹.192,48,87,022.01, अग्रपुनः ₹. 3,84,97,800.00 कार्य पूरा करने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने, खोलने की तिथि: 12-05-2026 के 15.00 बजे I) बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया http://ireps.gov.in पर लाइन करें। II) निविदाकार, अपने आपसे को अनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने के पूर्व पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं। III) निविदाकार, किसी भी शुद्धिपर (केवल अनलाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं। मुख्य प्रशासन अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद	
निविदा सूचना सं. 04/2026 दि. 24-04-2026	
भाइराण मर्जी की आपूर्ति ई-ग्राण निविदा सूचना निम्न निविदाएं अनलाइन पर प्रदर्शित की गयी हैं। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने अप्रभेद को अनलाइन में प्रस्तुत करें। उक्त वेबसाइट में निविदा कार्य विवरण, भाग, एचडी देख सकते हैं। मेकलर पूरा से प्रत्यक्ष अप्रभेद आमंत्रण होगा। इकाई द्वारा प्रेषित अप्रभेद पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदा की तब तिथि की तिथि बंद करने का समय 14.30 बजे। सभी स्वदेशी या इम्पोर्टेड अप्रभेद, अग्रपुन को, अनलाइन सिस्टम के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध माध्यमों द्वारा ही स्वीकार किया जाएगा।	
निविदा सं. संक्षिप्त कार्य विवरण 25264483 ड क र य, ए ज 1 7 ह त, आउटर & इन्डर स्प्रिंग का सेट 38261327 कालर राट 33265005ए जीपीएस स्थान आपांन इम्लिक्र अनाउसमेंट & पैसंजर इन्फ्रान्शन सिस्टम (वीपीएपी बंदर) 822660921 एचक्यू- पुण्ड्री-जैडआरसी हलो फाइबर ड्राइवलेर 1.30से 1.5एम टी 2 की आपूर्ति (फोन-37096) 312660009 ट्रेक्शन बार/मेटल रब्डर बुश 31261200 एयर प्रिंग का वन कोश सेट 33265018 इलास्टोमरिक पैड्स का सेट 38261017 लोक निप 82261448 एचक्यू- पुनमड्री-जीटीडी मोनोकामोनेट्रड इन्सुलिन 6026पीटी 021 एचक्यू ताल्लु का प्राण-आइएसओ डीआरसी नं. टी-3702, आइएसओ डीआरसी नं. टी-6938, आइएसओ डीआरसी नं. टी-3707 & टी-3708 31253274 एएसएस गाइड बेयरिंग 66265800 ट्रेक मशीनों हेतु केटरपिल्लर मेक सेयर्स का प्राण्य 6026पीटी 020 अनुकूल श्रम विधि आकार के ए.ए.ए. बोल्ट्स & नट्स की आपूर्ति हेतु मूल्य अनुबंध या प्रारंभ प्रस्ताव 31263162 सिग्न-केब चैम्बर हेतु रिपेयर किट 382652069 बफर हाइड हेतु 37एमएफ रैफिक 38262377 अपप्रोडेट हाव कैपासिटी	
टिप्पणी: निविदा खोलने की तिथियां तिथियां क्रम सं. 01 दि.11-05-2026, क्रम सं. 02 दि.13-05-2026, क्रम सं. 03 से 03 से दि.18-05-2026, क्रम सं. 06 दि.20-05-2026, क्रम सं. 07 से 10 दि.21-05-2026, क्रम सं. 11 दि.26-06-2026, क्रम सं. 14 दि.27-05-2026, क्रम सं. 15 दि.28-05-2026, क्रम सं. 16 दि.08-06-2026	
शुद्धिपर निविदा सूचना सं.03/2026 दि.17-04-2026 क्रम सं. 67265001 तब तिथि 11-05-2026 संक्षिप्त विवरण: एमआरजी-एमएजी तथा एमएएए इन्वर्टर — आपांन वेडिंग मशीन को, मौजूदा के बजाय निविदा सं.67265002 के रय में मौजूदा का बजाय चाहिए। उपरोक्त निविदाओं के अलावा ₹.50 लाख से अधिक पुरानी की अन्य निविदाएं भी हैं। अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त तत्वे वेबसाइट पर जाएं। प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद	

14 रविवार, 26 अप्रैल, 2026

मेरा हैदराबाद

क्या केसीआर की पार्टी बीआरएस को टक्कर देंगी के. कविता?



समय समाप्त हो गया है, अब हमारा समय है।

शनिवार को कविता ने हैदराबाद स्थित अपने आवास पर पूजा से दिन की शुरुआत की। इसके बाद वे तेलंगाना शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए गणपार्क गईं। हैदराबाद से लगभग 50 किलोमीटर दूर तेलंगाना के मेडचल मंडल के मुनिराबाद स्थित एक सम्मेलन केंद्र में तेलंगाना के लोकगीत बजाए गए और नर्तकों ने तेज धुनों पर नृत्य किया। कविता एक पुरुष प्रधान

कविता के लिए राजनीतिक कब्र खोद चुकी है भाजपा : अरविंद

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से भाजपा सांसद धर्मापुरी अरविंद ने पूर्व सांसद और तेलंगाना जागृति की संस्थापक अध्यक्ष के. कविता द्वारा नई पार्टी की घोषणा पर तौखा हमला बोला है। मीडिया से बातचीत में अरविंद ने कहा कि तेलंगाना का वादा पूरा न कर पाने के कारण जनता ने बीआरएस को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा पहले ही कविता के लिए राजनीतिक कब्र खोद चुकी है। व्यंग्य करते हुए उन्होंने कहा कि अब तक लोग पिड्लदोरा (ढोंगी शेखीबाज) को देख चुके हैं, और अब पिड्लदोरासानी (महिला समकरण) को देखेंगे। अरविंद ने कविता के बयानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा के समर्थन के बिना तेलंगाना राज्य का गठन संभव नहीं था। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव से की जा रही तुलना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने मंत्री मोहम्मद अजहरुदीन से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम पर भी कटाक्ष किया और कहा कि अजहरुदीन राज्यपाल के फैसले के चलते एमएलसी बने।

सांसद ईटैला राजेंद्र ने जलसमस्या से निजात दिलाया



हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली स्थित मोदी अपार्टमेंट के निवासियों का प्रतिनिधिमंडल सौरभ सिंह के नेतृत्व में अपनी कालोनी की गंभीर जल समस्या को लेकर मलकाजगिरि के सांसद ईटैला राजेंद्र से मुलाकात कर उन्हें शिकायत पत्र सौंपा। निवासियों ने बताया कि एचएमडब्ल्यूएसएनबी के अधिकारियों द्वारा अपार्टमेंट में जल आपूर्ति कम करने की चेतावनी दी गई थी। विकल्प के रूप में 50 लाख जमा करने को कहा गया था। सौरभ सिंह ने बताया कि अपार्टमेंट के निवासी आर्थिक रूप से इनने सक्षम नहीं हैं कि इतनी बड़ी राशि जमा कर सकें। क्षेत्र का भूजल भी प्रदूषित है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सांसद ईटैला राजेंद्र ने नागरिकों की

दे रही हैं, और अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच आत्मविश्वास से बैठी हैं।

कविता ने स्पष्ट कर दिया कि वह बीआरएस के वोट बैंक को तुलाने की कोशिश करंगी। साथ ही उन्होंने अपने पिता के. चंद्रशेखर राव और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली मौजूदा कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। कविता ने कहा, केसीआर बदल गए हैं और अब वे पहले जैसे नेता नहीं रहे। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे केसीआर नहीं, बल्कि एक गैर-केसीआर हैं। उन्होंने बताया कि केसीआर सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं और जनता की किसी भी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पार्टी के लॉचन के अवसर पर के. कविता ने कहा कि वह राज्य के लोगों के लिए पांच बिंदुओं—शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, व्यापार और सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

पत्नी की हत्या कर की आत्महत्या

संगारेड्डी, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सिद्धपुर गांव में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां घरेलू झगड़े के बाद एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर खुद आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, जीवरत्नम् नामक व्यक्ति ने किसी बात को लेकर हुई कलहसुनी के बाद अपनी पत्नी रानी पर मूसल से हमला किया। उस समय रानी सो रही थी। इस हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी पति ने कुछ घंटों बाद गांव के बाहरी इलाके में एक पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे गांव में शोक और सदमे का माहौल है। दंपति के बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल भेजा गया है।

हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क निगम (टीजीएसआरटीसी) कर्मचारियों की तीन दिन चली हड़ताल के बाद इसके वित्तीय और संचालन संबंधी नुकसान का आकलन कर रहा है। शुरूआती अनुमान के मुताबिक निगम को करीब 35 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। सूत्रों के अनुसार, हड़ताल के दौरान बस सेवाएं बंद रहने से निगम को प्रतिदिन लगभग 10 से 12 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इलेक्ट्रिक बसें चलाने और किराए की बसों से स्थिति संभालने की कोशिश की गई,

हड़ताल के चलते हजारों बस सेवाएं प्रभावित हुईं, जिससे शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। लोगों को निजी वाहन, ऑटो और केब का सहारा लेना पड़ा, जिनका किराया भी बढ़ गया था। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों, छात्रों और मरीजों को सबसे ज्यादा

पुलिस देखभाल और सामुदायिक सहभागिता भी शामिल : डॉ.एम. रमेश



हैदराबाद, 25 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस के तत्वावधान में सोसायटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी कार्डसिल (एससीएससी) द्वारा 'मार्गदर्शक-योर बडी इन डिस्ट्रेस (3.0, प्रथम बैच)' प्रमाणन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह पहल सामुदायिक सहयोग और संकट में सहायता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता साइबराबाद के पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने की। इस अवसर पर महिला एवं

भारत को 2030 तक मलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में तेज़ी विशेषज्ञों ने ‘लास्ट माइल’ चुनौतियों पर किया मंथन



के. नंदीकोरी ने कहा कि मलेरिया के जैविक पहलुओं को समझने में संस्थान अग्रणी भूमिका निभा रहा है, किंतु इस बीमारी के खिलाफ अंतिम लड़ाई सामूहिक सकल्प से ही जीती जा सकती है, ताकि कोई भी व्यक्ति इससे अछूता न रहे। भारत ने पिछले वर्षों में मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और विश्व स्वास्थ्य संगठन के 'हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट' समूह से बाहर निकल चुका है। इसके बावजूद 'लास्ट माइल' की चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। इनमें आदिवासी एवं

वन क्षेत्रों में संक्रमण का बने रहना,

परजीवी के बदलते स्वरूप, जलवायु परिवर्तन के कारण रोग के फैलाव में बदलाव तथा नवीन तकनीकों की आवश्यकता प्रमुख हैं। संगोष्ठी में ओडिशा के सफल 'डामन' कार्यक्रम जैसे राज्य स्तरीय प्रयासों से सीख, सुस परजीवी के पुनः सक्रिय होने की समस्या, निदान में प्रतिरोध, यकृत-केंद्रित वनस्पति आधारित औषधीय नवाचार तथा मलेरिया टीकों की बदलती भूमिका जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

एआईसी-सीसीएमबी के मुख्य

कार्यकारी अधिकारी डॉ. नलम

मधुसूदन राव ने कहा कि भारत में

मलेरिया के मामलों में उल्लेखनीय

गिरावट आई है और इस क्षेत्र में

निवेश का आर्थिक लाभ भी

अत्यधिक है। अब समय आ गया

है कि अंतिम चरण की चुनौतियों

को दूर करने के लिए नवाचारों को

प्राथमिकता दी जाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

एच-1बी वीजा ...

एच-1बी वीजा कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन की सीमा

को बढ़ाकर दो लाख डॉलर (लगभग 1.87 करोड़ रुपये) प्रति वर्ष करने का प्रस्ताव है।

एच-1बी वीजा धारकों को अपने आशितों और जीवनसाथी को अमेरिका लाने से रोका जाएगा और इसके तहत मिलने वाले एच-4 वीजा प्रोग्राम को पूरी तरह बंद करने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

वीजा देने की मौजूदा लांटरि प्रणाली को खत्म करके इसकी जाहग वेतन-आधारित चयन प्रणाली को लागू किया जाएगा।

एच-1बी धारकों को अपना वीजा स्टेटस बदलकर स्थायी निवास (पीन कार्ड) हासिल करने से रोक दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों को ग्रेजुएशन पूरा होने के बाद अमेरिका में काम करने की अनुमति देने वाले ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) कार्यक्रम को भी खत्म करने की बात विधेयक में कही गई है।

नौकरी देने वाली कंपनियों को यह प्रमाणित करना अनिवार्य होगा

भारतीय पेशेवर एच-1बी कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। वित्त वर्ष 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, कुल मंजूर 3,99,395 एच-1बी याचिकाओं में से 71% (करीब 2.83 लाख वीजा) सिर्फ भारतीयों को मिले थे। वर्ष 2015 से 70 प्रतिशत से ज्यादा एच-1बी वीजा से जुड़ी मंजूरी भारतीयों को ही मिल रही है।

आगर यह विधेयक पारित होता है तो अमेरिका में पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के लिए एफ-1 (स्टूडेंट वीजा) से ओपीटी (छात्रों को काम करने की मंजूरी देने वाला कार्यक्रम) संकट में पड़ जाएगा।

स्वतंत्र

वार्ता

Email :

svaarthta2006@gmail.com

svaarthta@rediffmail.com

svaarthta2006@yahoo.com

Epaper :

epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :

swadds1@gmail.com

